E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -157 | प्रयागराज, शुक्रवार 05 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

रोटी, पराठा, दूध, हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस टैक्स फ्री,जीएसटी के अब केवल दो स्लैब 5फीसदी और 18फीसदी; 22 सितंबर से लागू होंगे बदलाव

नयी दिल्ली। अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5फीसदी और 18फीसदी होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू

के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम उएऊ फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28फीसदी की जगह 40फीसदी जीएसटी लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350सीसी से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे। नए स्लैब 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे-वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन, यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि, तंबाकू वाले सामान पर नई 40फीसदी जीएसटी दर अभी लागू नहीं होगी। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मुझे खुशी है कि जीएसटी काउंसिल ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें जीएसटी दरों में कटौती और कई सुधार शामिल हैं। इससे आम जनता, किसान, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाएं और युवा सभी को फायदा होगा। ये बड़े बदलाव हमारे नागरिकों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे और कारोबार करना आसान करेंगे। खासकर छोटे व्यापारियों और व्यवसायों को मदद मिलेगी।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि अब जीएसटी के 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी और 28फीसदी के स्लैब को घटाकर दो कर दिया गया है। अब सिर्फ 5फीसदी और 18फीसदी का स्लैब होगा। इसके अलावा, तंबाकू, पान मसाला, कार्बोनेटेड ड्रिंक और लग्जरी सामान जैसे बड़ी कारों, याट व्यक्तिगत उपयोग के लिए विमान पर 40फीसदी की विशेष टैक्स दर होगी। कुछ सामान जैसे यूएचटी दूध, छेना, पनीर, रोटी, चपाती, पराठा पर जीएसटी पूरी तरह हटाकर 0फीसदी कर दिया गया है। तंबाकू को छोड़कर नई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जीएसटी 2.0 का मकसद टैक्स ढांचे को सरल बनाना, आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम करना, और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर तब होता है जब कच्चे माल पर जीएसटी की दर तैयार उत्पाद से ज्यादा होती है। इससे उत्पादन महंगा हो जाता है, क्योंकि निर्माता को कच्चे माल पर ज्यादा टैक्स देना पड़ता है, लेकिन तैयार माल पर कम टैक्स मिलता है।ये बदलाव आपकी जेब पर बोझ कम करेंगे। रोज के सामान, खाना की चीजें और छोटी गाड़ियां सस्ती हो जाएंगी। व्यक्तिगत, परिवार, और

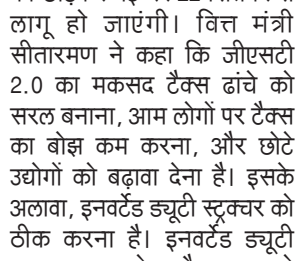

बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18इ टैक्स हट गया है। इससे बीमा लेना सस्ता होगा और ज़्यादा लोग इसे ले सकेंगे। सीमेंट पर टैक्स 28फीसदी से 18फीसदी हुआ, तो घर बनाने या मरम्मत का खर्च थोड़ा कम होगा। टीवी, एयर कंडीशनर जैसे सामान भी 28फीसदी से 18फीसदी टैक्स में आएंगे, यानी ये भी सस्ते होंगे। 33 जरूरी दवाइयां, खासकर कैंसर और गंभीर बीमारियों की दवाएं अब टैक्स-फ्री होंगी। छोटी कारें और 350सीसी तक की मोटरसाइकिलें अब

28फीसदी की जगह 18फीसदी टैक्स में आएंगी। ऑटो पार्ट्स और थ्री-व्हीलर पर भी टैक्स 28फीसदी से 18फीसदी हुआ, जिससे ये सस्ते होंगे। किसानों के लिए ट्रैक्टर, खेती-बागवानी की मशीनें, हार्वेस्टिंग मशीनें और कम्पोस्टिंग मशीनों पर जीएसटी 12फीसदी से घटकर 5फीसदी हुआ है। 12 जैव कीटनाशकों पर भी टैक्स 12फीसदी से 5फीसदी हुआ है, जिससे खेती सस्ती होगी। वहीं उद्योगों के लिएः- टेक्सटाइलः मानव निर्मित फाइबर (18फीसदी से 5फीसदी) और यार्न (12फीसदी से 5फीसदी) पर टैक्स कम होने से कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उर्वरकः- सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, और अमोनिया पर जीएसटी 18फीसदी से 5फीसदी हुआ, जिससे उर्वरक सस्ते होंगे। नवीकरणीय ऊर्जाः- बायोगैस प्लांट, पवन-चक्की, सौर कुकर, और सौर वॉटर हीटर पर जीएसटी 12फीसदी से 5फीसदी हुआ। हस्तशिल्पः मार्बल, ग्रेनाइट ब्लॉक, और चमड़े के सामान पर टैक्स 12फीसदी से 5फीसदी हुआ, जिससे श्रम आधारित उद्योगों को फायदा होगा। ऑटोमोटिवः छोटी कारें, मोटरसाइकिल (350सीसी तक), बसें, ट्रक, और ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 28फीसदी से 18फीसदी हुआ, जिससे ये सस्ते होंगे।वित्त मंत्री ने माना कि रोजमर्रा के सामान पर टैक्स कम करने से शुरुआत में राजस्व पर असर पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक सालाना 85,000 करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन सीतारमण का कहना है कि खपत बढ़ने से लंबे समय में इसकी भरपाई हो जाएगी। साथ ही, टैक्स चोरी रोकने और अनुपालन बढ़ाने से राजस्व में इजाफा होगा। 40फीसदी स्लैब पर लग्जरी और सिन गुड्स से भी अच्छी आय की उम्मीद है। अभी तंबाकू उत्पाद जैसे पान मसाला, गुटखा, सिगरेट, और बीड़ी पर 28फीसदी जीएसटी के साथ कंपन्सेशन सेस लगता है, जो उत्पाद के हिसाब से 5फीसदी से 290फीसदी तक हो सकता है। उदाहरण के लिए, गुटखा पर 204फीसदी और असंसाधित तंबाकू पर 71फीसदी उपकर है। नई 40फीसदी जीएसटी दर इन पर तब लागू होगी, जब उपकर का सारा कर्ज चुक जाएगा। इसकी तारीख वित्त मंत्री और जीएसटी परिषद तय करेंगे। पिछले हफ्ते ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने केंद्र सरकार के दो स्लैब वाले प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 21 अगस्त को बताया था कि ग्रुप ने मौजूदा 12फीसदी और 28फीसदी की दरों को हटाकर 5फीसदी और 18फीसदी के स्ट्रक्चर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा था कि इस साल दिवाली में बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हम नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएंगी,

बीजेपी को जिताने आरएसएस ने बिहार भेजे 10 हजार स्वयंसेवक,हर गांव में 10 लोगों की टीम एक्टिव

पटना। सीवान जिले के कोड़ारी गांव के रहने वाले नितेश कुमार पेशे से किसान हैं। दूध का भी कारोबार है। उनके एक जानने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक यानी आरएसएस से जुड़े हैं। एक

दिन उन्होंने नितेश को घर बुलाया। वहां पहले से कुछ लोग मौजूद थे। नितेश उन्हें नहीं जानते थे। वे उनके बीच बैठे, तो बातचीत शुरू हुई। हालचाल के बाद पॉलिटिक्स, राष्ट्रवाद और सरकार की योजनाओं पर बातें होने लगीं। नितेश कहते हैं, 'उनकी बातों का मुझ पर बहुत असर हुआ। मैं बाद में भी उन लोगों से मिलता रहा। एक दिन वे लोग मेरे घर आए। मैंने अपने गांव के कुछ लोगों से उन्हें मिलवाया। फिर वे बार-बार मेरे गांव आने लगे। हम चाय पर बैठते थे। वे कहते थे कि ऐसी पार्टी को वोट दो, जिसके हाथ में हमारा राज्य और देश सुरक्षित रहे।' नितेश तक पहुंचे लोग, दरअसल बिहार में आरएसएस की स्ट्रैटजी का हिस्सा हैं। आरएसएस से जुड़े सोर्स बताते हैं कि विधानसभा चुनाव से पहले संगठन ने देशभर से 10 हजार स्वयंसेवकों को बिहार भेजे हैं। इनमें ज्यादातर यूपी, हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र से आए हैं। इनमें ऐसे लोग भी हैं, जो बिहार से हैं, लेकिन दूसरे राज्यों में रह रहे हैं। ये सभी पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, भागलपुर सहित सीमांचल और मगध के गांव-शहरों में एक्टिव हो गए हैं। चाय की दुकानों, मंदिरों और घरों में जाते हैं और लोगों से मिलते हैं। हर गांव में 10 से 15 स्वयंसेवक काम कर रहे हैं। आरएसएस की इसी स्ट्रैटजी से बीजेपी ने पहले हरियाणा और फिर दिल्ली में सरकार बनाई थी। आरएसएस ने बिहार को दो प्रांत उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में बांटा है। उत्तर बिहार का काम मुजफ्फरपुर और दक्षिण बिहार का पटना से होता है। बिहार में ऑब्जर्वर बनाकर भेजे गए एक प्रांत प्रचारक से हमने आरएसएस की स्ट्रैटजी पर बात की। वे कहते हैं, 'बिहार में पिछले 2 महीने से देशभर के 10 हजार स्वयंसेवकों ने डेरा डाल रखा है। राज्य में भी करीब 6 हजार कार्यकर्ता हैं। कुल 16 हजार स्वयंसेवक इस वक्त जमीन पर एक्टिव हैं। आरएसएस का काम दिखता है, उसके कार्यकर्ता नहीं। नतीजा दिखता है, तैयारी नहीं।' हमने पूछा कि क्या बिहार में भी महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली जिताने वाले मॉडल पर काम हो रहा है। वे जवाब देते हैं, 'हर राज्य की जनता अलग है, मुद्दे अलग हैं। कॉमन सिर्फ इतना है कि आरएसएस सोशल मीडिया पर नहीं, जमीन पर उतरता है। हमारे स्वयंसेवक घर-घर पहुंचते हैं। लोगों का मन टटोलते हैं, उनसे जुड़ते हैं। हर राज्य के वोटर अलग हैं, तो रणनीति में कुछ फर्क तो होता ही है।'प्रांत प्रचारक आगे कहते हैं,**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

मोदी को गाली पर एनडीए का बिहार बंद,12 जिलों में हाईवे जाम,पति-पत्नी से बदसलूकी,टीचर को स्कूल जाने से रोका

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने के मामले में एनडीए का आज गुरुवार को बिहार बंद है। समस्तीपुर, बेगूसराय, छपरा, हाजीपुर, दरभंगा में समेत 12 जिलों में नेशनल हाईवे जाम किया गया है। यहां गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई है। पटना के सगुना मोड़ पर आगजनी की गई है। जज और शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव की गाड़ियों को रोका गया। बिहटा में बीजेपी नेताओं ने सड़क जाम की है। डाकबंगला चौराहे को कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक कर दिया।जहानाबाद में बंद को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता रोड रोलर लेकर पहुंच गए। और सड़क को जाम कर दिया। यहां महिला टीचर को स्कूल जाने से रोका गया और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें हाथ पकड़ वापस घर भेज दिया। भागलपुर में बंद के दौरान बाइक से जा रहे पति-पत्नी की बंद समर्थकों के साथ बहस हुई। इस दौरान दंपती

के साथ बदसलूकी की गई। दरभंगा में पार्टी की महिला मोर्चा ने कमान संभाली है। चौक-चौराहों पर प्रदर्शन हो रहा है। सड़क जाम है। इस जाम में फंसी पुलिस, एंबुलेंस और एयरफोर्स की गाड़ी को पार्टी कार्यकर्ताओं ने जाने दिया। बेगूसराय में बंद को सफल बनाने के लिए मंत्री सुरेंद्र मेहता खुद सड़क पर उतरे हैं। सड़क और दुकानें बंद करवाई गईं। मुंगेर में भी बीजेपी कार्यकर्ता सड़क पर उतरे हैं। शांतिपूर्ण तरीके से बंद कराया जा रहा है। हालांकि, कुछ जगहों पर दुकानें बंद नही हैं। मुजफ्फरपुर में बिहार बंद के दौरान मुजफ्फरपुर-दरभंगा एनएच 27 जाम करने को लेकर आरएएफ के जवान और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस हुई। बाद में बातचीत से मामला सुलझाया गया। बंद को लेकर कांग्रेस और राजद ऑफिस की सुरक्षा बढ़ाई गई है। पटना में 2 हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। 27 अगस्त को दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल-तेजस्वी के मंच से पीएम नरेंद्र मोदी की मां को गाली दी गई थी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

योगी बोले-यूपी में नई भर्ती आने वाली है,गुंडों को अगले चौराहे पर यमराज मिलेंगे,रवि किशन ने कहा- विरोधी जानवर बनते जा रहे

गोरखपुर। सीएम योगी ने गोरखपुर में कहा- प्रदेश में नई भर्ती आने वाली हैं। नौकरी ही नौकरी होगी। क्योंकि, सरकार चाहती है कि यूपी के नौजवान को कहीं दूसरी जगह हाथ फैलाने की नौबत न आए। हम लोग इम्प्लॉयमेंट जोन बनाएंगे। जहां लोगों को रोजगार और नौकरी दी जाएगी। सीएम ने एक बार फिर अपराधियों को चेतावनी दी। कहा- आज कोई व्यापारी से गुंडा टैक्स नहीं ले सकता। क्योंकि उसको पता है कि गुंडा टैक्स लिया तो अगले चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते मिलेंगे। सीएम ने मंच पर मौजूद सांसद रवि किशन की चुटकी ली। पूछा- रवि किशन की फिल्म फ्री में किसी ने देखी है। जवाब आया- नहीं। यह सुनकर सीएम मुस्कुराने लगे। सीएम ने गुरुवार को गोरखपुर में 2251 करोड़ के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पेप्सिको के बॉटलिंग प्लांट का भी इनॉगरेशन किया। इसमें 1200

लोगों को रोजगार मिलेगा। सीएम से पहले सांसद रवि किशन ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कहा- पीएम की मां को गाली दी जा रही है। विरोधी जानवर बनते जा रहे हैं। यह राजनीति का सबसे घिनौना वक्त है, इनसे सचेत रहिए।1- ये कड़वा-कड़वा थू... मीठा-मीठा गप्प नहीं चलेगा योगी ने कहा- उसी ईवीएम से विपक्षी जब चुनाव जीतते थे तो हम हार स्वीकार करते थे, लेकिन अगर बीजेपी जीतती है तो ईवीएम दोषी, वोटर सूची दोषी हो जाती है। ये कड़वा-कड़वा थू... मीठा-मीठा गप्प नहीं चलेगा। ये विपक्ष और इंडी गठबंधन की राजनीति देश को गर्त में धकेलने की है।2- विकास नकारात्मक सोच और गाली-गलौज से नहीं होता- योगी ने कहा- जो लोग जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांट रहे हैं, ये लोग देश के विकास के बैरियर हैं। नौजवान, किसान, मातृभक्ति इस बैरियर को उखाड़ फेंके। विकास नकारात्मक सोच और गाली-गलौज से नहीं होता। ये जातीय विभाजन करके आपको गुलामी की तरफ धकेलने का काम कर रहे हैं।3- सपाई उजाले के दुश्मन, समाज में वैमनस्यता पैदा करते थे जब यूपी में सपा सरकार थी, गोरखपुर में बिजली यदा-कदा आती थी। ये लोग उजाले के दुश्मन थे। इनके समय में अराजकता होती थी।

इटावा में डंपर से कुचलकर प्रेग्नेंट महिला का पेट फटा-बच्चा 5 फीट दूर गिरा,पिता सिर पर हाथ रखकर रोता रहा

इटावा। बुधवार शाम तेज रफ्तार डंपर ने तीन महीने की प्रेग्नेंट

महिला को कुचल दिया। इससे उसका पेट फट गया और गर्भ में पल रहा बच्चा 5 फीट दूर जाकर गिरा। दोनों की मौके पर मौत हो गई। महिला की तीन महीने मई में शादी हुई थी। वह अपने पिता और भाई के साथ दवा लेने गई थी। लौटते समय डंपर ने पीछे से मोपेड में टक्कर मार दी। डंपर महिला को कुचलते हुए निकल गया। हादसे में पिता और भाई को भी चोट आई है। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई। वहां का मंजर देखकर हर कोई दहल गया। महिला का पिता अपनी चोटों को भुलाकर सड़क पर बैठा रोता रहा। वह कभी अपनी बेटी को निहारता तो कभी उस मासूम को। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसा इकदिल थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-19 पर पिलखर गांव के पास हुआ।परिजनों के मुताबिक साधना की शादी इसी साल 13 मई को हुई थी। उसका पति भरथना के साम्हों गांव निवासी सिंटू खेती करता है। रक्षाबंधन पर वह मायके आई थी। तब से मायके में ही रुकी हुई थी। हादसा निजी अस्पताल से करीब 6 किलोमीटर दूर हुआ। हादसे के बाद चालक, डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

रात को दिखे कई रहस्यमय ड्रोन,एक ड्रोन जब्त, सुल्तानपुर की तरफ से आने की आशंका; पुलिस जांच में जुटी

प्रतापगढ़। बुधवार रात प्रतापगढ़ कई गांवों में रहस्यमय ड्रोन की गतिविधियों से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कोहड़ौर और अंतू थाना क्षेत्र के जलालपुर, मलाक, लौली, कंधारपुर और मदाफरपुर समेत दर्जन भर गांवों में आधी रात को आसमान में कई ड्रोन देखे गए। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी प्रशांत राज हुड्डा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों ने लगभग 4 किलोमीटर तक ड्रोन का पीछा किया। अंतू कोतवाली के जलालपुर गांव में एक ड्रोन नदी किनारे गिर गया, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।जब्त किए गए ड्रोन की जांच में पता चला कि यह करीब 100 फीट की ऊंचाई तक उड़ने में सक्षम था। इसमें लाइट जल रही थी, लेकिन कोई कैमरा नहीं लगा था। आशंका जताई जा रही है कि ये ड्रोन सुल्तानपुर जिले की तरफ से प्रतापगढ़ में प्रवेश कर रहे हैं।सीओ सिटी ने बताया कि पुलिस ड्रोन उड़ाने वालों की पहचान और उनके मकसद का पता लगाने में जुटी है। इस बीच पुलिसकर्मी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। घटना के बाद से ग्रामीण दहशत में हैं और रात भर जागकर निगरानी कर रहे हैं।

चैटिंग कर आधी रात घर से निकली थी छात्रा,लाश तालाब में मिली, चेहरा झुलसा शरीर पर चोट

प्रयागराज। में दो दिनों से लापता एक छात्रा का शव प्राथमिक विद्यालय के पास तलाब में मिली है। 19 साल की छात्रा

दो सितंबर की रात दो बजे से लापता थी। गुरुवार सुबह उसका शव तालाब में उतराता मिला। शरीर पर चोट के निशान हैं। चेहरे को जलाया गया है। जिससे उसकी पहचान न हो सके। आशंका है कि चेहरे पर तेजाब डाला गया। लाश फूल गई है। परिवार वालों का कहना है कि बेटी की हत्या की गई है। लापता होने से पहले छात्रा ने मोबाइल पर किसी से मैसेज कर बातचीत की थी। इसके बाद आधी रात वह घर से निकल गई। पुलिस अधिकारी गांव पहुंचकर पूछताछ कर रहे हैं। घरवालों ने दो मोबाइल नंबर पुलिस को दिए हैं, जिस पर छात्रा बातचीत करती थी। मामला गंगा नगर के सराय ममरेज थाना क्षेत्र के खखैचा गांव का है। किरन सबसे बड़ी है। सबसे छोटा भाई मोहित है। पिता राजेंद्र प्रसाद की 5 साल पहले मौत हो गई है। परिवार वालों का कहना है कि उसकी पीठ पर चोट थी। चेहरा बिगाड़ा गया था। उसके चेहरे को जलाया गया था। जिससे उसकी पहचान नहीं हो सके। चाचा हरिशचंद्र के बेटे पिंटू ने सराय ममरेज थाने में हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। उनका कहना है कि शरीर पर चोटों के निशान और चेहरे पर तेजाब डाले जाने की आशंका है।

यमुना में मिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव,मौत से पहले फोन पर कहा- पापा मुझे बचा लो

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र से लापता सॉफ्टवेयर इंजीनियर विवेक सिंह यादव का शव यमुना नदी में सरस्वती घाट के पास बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू

कर दी है। विवेक ने एक सितंबर की रात अपने पिता को फोन कर कहा था- 'पापा मुझे बचा लो, कोई मेरा गला दबा रहा है।' इसके बाद उनका संपर्क टूट गया। कीडगंज इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस का अनुमान है कि विवेक ने नए पुल से नदी में छलांग लगाई। जानकारी के अनुसार, विवेक घर से ऑनलाइन सॉफ्टवेयर ट्रेनिंग देते थे और विदेशों में भी पढ़ाने जाते थे। उनकी मां का पहले ही निधन हो चुका था और बहन की शादी हो चुकी थी। परिवार का कहना है कि वह तंत्र-मंत्र में विश्वास रखते थे और शादी को लेकर तनाव में रहते थे। जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन विवेक ने मुंबई में रहने वाली, बैंकॉक में नौकरी करने वाली एक युवती से बातचीत की थी। दोनों के बीच शादी को लेकर चर्चा चल रही थी। सीसीटीवी फुटेज में विवेक रात 9:10 बजे घर से बाहर निकलते दिखे। विवेक के पिता विजय कृष्ण यादव ने बताया कि बेटे का फोन कटने के बाद उन्होंने बार-बार कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब वह प्रयागराज लौटे तो घर का दरवाजा खुला मिला। कमरे में रखे मोबाइल में विवेक ने अपने बैंक खातों और पासवर्ड तक की जानकारी दर्ज कर रखी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है।

यमुना में फिर बढ़ सकता है यमुना का जलस्तर,जिला प्रशासन की ओर से फिर जारी किया अलर्ट

प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में भले ही कमी हो रही है लेकिन बाढ़ का खतरा अभी भी मडरा रहा है। यमुना के जलस्तर में एक बार वृद्धि होने की

संभावना जताई गई। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की ओर से बताया गया है कि चंबल नदी पिनाहट में आज 4 सितंबर से जलस्तर बढ़ने की संभावना है। चंबल पिनाहट में 123 मीटर पहुंचने की संभावना है, ऐसे में प्रयागराज जिला प्रशासन की ओर से पहले ही अलर्ट किया गया है। बताया गया है कि यमुना का जलस्तर बढ़ सकता है। इसे लेकर अधिकारी अलर्ट मोड में रहें।गुरुवार सुबह तक प्रयागराज में यमुना नदी का जलस्तर 80.95 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह गंगा फाफामऊ में 81.48 मीटर पर है। जबकि यहां का डेंजर लेवल 84.734 मीटर है। हालांकि अभी खतरे के निशान से नीचे हैं दोनों नदियों का जलस्तर लेकिन यदि चंबल नदी का जलस्तर बढ़ता है तो इसका सीधा असर यमुना नदी में दिखेगा। बता दें कि अभी भी गंगा व यमुना के तटीय इलाकों में बाढ़ का पानी क घुसा हुआ है। यदि यमुना का जलस्तर बढ़ा तो बाढ़ की स्थिति एक बार फिर बढ़ सकती है।

कोर्ट मैरिज के विरोध पर छात्रा ने मारी थी गोली,पिता ने दूसरी जगह तय की तो गुस्से में उठाया कदम

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र स्थित सदियापुर मोहल्ले में रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा महक सिंह के खुद के गोली मारने के मामले में कई बातें सामने आई हैं। महक

का पड़ोस के ही रहने वाले शिवम नागर से करीब तीन साल से लव अफेयर चल रहा था। इसकी जानकारी घरवालों को नहीं थी। 25 जून को महक ने उस लड़के से कोर्ट मैरिज कर लिया। घरवालों को इसकी जानकारी हो गई। पिता और मां को यह बात नागवार गुजरी और घर में विवाद शुरू हो गया। कई रिश्तेदारों और घरवालों ने बेटी को समझाया और उसकी शादी दूसरी जगह तय कर दी लेकिन महक की जिद उसी लड़के के साथ रहने की थी। जिससे उसने कोर्ट मैरिज किया था। इसके बाद महक ने परेशान होकर घर पर रखी पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। जिस वक्त महक ने खुद को पिस्टल से गोली मारी तो आवाज सुनकर घरवाले भागकर कमरे में पहुंचे। जहां पर वह जमीन में पड़ी हुई थी। गोली लगने के बाद घरवाले बेटी के मैने का इंतजार करते रहे, लेकिन बाद में पिता ने तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया। पिता धर्मराज सिंह ने बेटी महक की शादी बैंक में कैशियर से तय की थी। महक की उम्र 18 वर्ष की नहीं थी। इसलिए वह अपने प्रेमी से शादी नहीं कर पा रही थी। 25 जून को 18 साल पूरे होने पर शिवम और महक ने कोर्ट मैरिज कर ली। जानकारी होने पर घरवालों ने शादी से इंकार कर दिया।

प्रयागराज जनपद के अंदावा चौराहे स्थित अपना ब्लड बैंक की द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर लगा रक्तदान शिविर व रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 'असीम मित्रा' प्रयागराज। अंदावा

झूंसी स्थित अपना ब्लड बैंक के प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट ने सहयोग प्रदान किया..!! मीडिया से रूबरू होते हुए प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव ने बताया कि अपना ब्लड बैंक संस्थान द्वारा अब तक 8500 मरीजों की मदद की जा चुकी है और लगातार बढ़ते मरीजों को देखते हुए आज द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर महोत्सव का आयोजन किया गया..!! जिसकी शुरूआत अपना ब्लड बैंक के डायरेक्टर डॉ सुनील विश्वकर्मा व स्वरूपरानी अस्पताल के प्रख्यात सर्जन, आसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संतोष सिंह द्वारा केक काटकर की गई..!! उसके बाद प्रख्यात कवि, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत लेखक,

40 बार रक्तदाता श्री बागी विकास द्वारा लिखित रचना 'ये खून देकर' का पोस्टर विमोचन किया गया और उसे डोनर रूम में चस्पा किया गया..!! फिर रक्तवीरों के हुजूम ने एक एक करके रक्तदान कर लोगों की जान बचाने का प्रण लिया..!! सभी रक्तवीरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया..!! रक्तदाताओं की सूची में ग्लोबल कमला हॉस्पिटल प्रबंधक हरिशंकर विश्वकर्मा , कमला नेहरू हॉस्पिटल के डॉ अविनाश विश्वकर्मा, डॉ प्रमोद उपाध्याय, फतेह एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर राज तिलक सिंह, अमन कुमार, उमेश कुमार निषाद, मंगला प्रसाद, हर्षित पांडेय, राहुल कुमार, संजय कुमार, शमशेर यादव, सोहन लाल, मां शारदा मेडिकल्स के डायरेक्टर अनुज प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव, प्रदीप सिंह, प्रथम बार के रक्तदाता आदर्श सिंह समेत 30 लोगों ने रक्तदान किया..!! इस मौके पर रक्तवीर अनूप बिंद, समाजसेवी विनोद शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय शोध छात्र वेद प्रकाश सिंह, छात्रनेता चंद्रशेखर अधिकारी, शशिकांत पटेल, प्रफुल्ल पांडे, कोमल पटेल, कौशिकी सिंह, अर्जुन सिंह, अंबिका प्रजापति, पूनम पाल शामिल रहें।

गंगा सम्मान पुरस्कार के लिए नामांकन कराएं उपलब्ध : मयंक अग्रवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रभागीय निदेशक/सदस्य सचिव सामाजिक वानिकी प्रभाग/ जिला गंगा समिति रायबरेली मयंक अग्रवाल ने बताया है कि राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरणीय पुनर्जीवन एवं जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय गंगा सम्मान पुरस्कार का आयोजन किया जाना है। पुरस्कार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों, संस्थानों एवं संगठनों को सम्मानित करना है, जिन्होंने प्रदेश में गंगा एवं उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, संरक्षण में अपना उल्लेखनीय योगदान प्रस्तुत किया हो। इस संबंध में जिला गंगा समिति द्वारा उपयुक्त एवं योग्यताधारी प्राप्त आवेदनों को राज्य स्तर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उ0प्र0 लखनऊ को जांच एवं चयन हेतु भेजा जाएगा। तत्पश्चात राज्य स्तर की गठित समिति द्वारा जांच कर उपयुक्त व्यक्तियों, संस्थाओं एवं संगठनों का चयन किया जाएगा। पुरस्कार की श्रेणी 06 प्रकार है, जिसमें श्रेष्ठ स्वयंसेवी संगठन, श्रेष्ठ पर्यावरणविद्, श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्था, श्रेष्ठ ग्राम प्रधान, श्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, छोटी नदियों के पुनर्जीवन हेतु व्यक्ति/संस्था/संगठन उन्होंने इसके क्रम में संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर पुरस्कार श्रेणी के उपयुक्त व्यक्तियों संस्थाओं व संगठनो का चयन कर दिए गए निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र 08 सितम्बर 2025 तक कार्यालय प्रभागीय निदेशक/सदस्य सचिव सामाजिक वानिकी प्रभाग जनपद रायबरेली को उपलब्ध कराएं, ताकि संकलित सूचना उच्च स्तरीय समिति की ससमय भेजा जा सके। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय प्रभागीय निदेशक/सदस्य सचिव सामाजिक वानिकी प्रभाग जनपद रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

6 साल की बच्ची से रेप:पड़ोसी दुकान के अंदर ले गया,ब्लीडिंग होने पर पता चला

प्रयागराज। 6 साल की बच्ची से रेप किया गया। किराना की दुकान चलाने वाला युवक बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने दुकान के अंदर बुला लिया। इसके बाद उसके साथ दरिंदगी की। बच्ची चीखी, तो मुंह पर हाथ रख दिया। रेप के बाद बच्ची रोती रही। फिर उसने डराना शुरू किया। कहा-किसी से बताया तो चाकू से काट देंगे। कुछ देर बाद बच्ची घर चली गई। बुधवार को घर जाकर ज्यादातर वक्त सोती रही। गुरुवार को अचानक उसके प्राइवेट पार्ट से ब्लड आने लगा। वह दर्द से तड़पने लगी तो घरवालों ने बहलापुर पूछा। इसके बाद मासूम ने पूरी घटना बयां कर दी। परिवार वालों ने दुकान पर पहुंच हंगामा किया, तो आरोपी धमकी देकर भागने लगा। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया है। बच्ची अस्पताल में भर्ती है। उसका बयान दर्ज कर लिया गया। ये मामला गंगापार इलाके के बहरिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 31 अक्टूबर तक लागू : एडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।जनपद में 05 सितम्बर 2025 को ईद-ए-मिलाद-उन-नबी/ बारावफात, 06 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी गणेश प्रतिमाओं का मूर्ति विसर्जन, 17 सितम्बर को विश्वकर्मा पूजा, 22 सितम्बर को महाराजा अग्रसेन जयंती एवं शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ होकर 30 सितम्बर को समापन, 01 अक्टूबर को रामनवमी, 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती व विजयादशमी व दुर्गा प्रतिमाओं का मूर्ति विसर्जन, 07 अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती, 10 अक्टूबर को करवा चौथ व्रत, 18 अक्टूबर को धनतेरस, 19 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी, 20 अक्टूबर को दीपावली, 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा, 23 अक्टूबर को भैया दूज व चित्रगुप्त जयंती/पूजा, 27 व 28 अक्टूबर को छठ पूजा पर्व, स्थानीय गंगा घाटों पर पूर्णिमा/अमावस्या, पर्व पर गंगा स्नान एवं आयोग से आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं, प्राविधिक शिक्षा परिषद/ विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/ सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समवाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना सम्भव नही है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) सिद्धार्थ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एक पक्षीय रूप से 04 सितम्बर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक सम्पूर्ण जनपद में निषेधाज्ञा जारी किया है।

डीएम व एसपी ने (पीईटी) परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण,06 व 07 सितम्बर को जनपद में 23 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होगी परीक्षा

परीक्षा केन्द्रों पर सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना प्रतिबंधित : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। पीईटी परीक्षा-2025 को जनपद के परीक्षा केंद्रों में सकुशल संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2025 जनपद के 23 परीक्षा केन्द्रों पर 06 व 07 सितम्बर (शनिवार व रविवार) को दो पालीयों में आयोजित करायी जायेगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। जिसमें सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों की कुल संख्या 39552 है। परीक्षा

को सकुशल, नकल विहीन सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। उन्होंने ने कहा कि परीक्षा के दिन किसी भी परीक्षार्थी तथा केन्द्र के टीचर आदि को किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक्स गैजेटस मोबाईल, लेपटाप, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रानिक घड़ी ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित किया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप निर्विघ्न, नकलविहीन व शांतिपूर्ण परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने की सभी तैयारियां प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक ,पर्यवेक्षक, समन्वयी पर्यवेक्षक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट , सहायक पर्यवेक्षक, निरीक्षण पर्यवेक्षक, परीक्षा सहायक आदि पूरी कर लें तथा दिये गये दिशा निर्देशों व आदेशों को भली-भांति पढ़ लें। किसी भी प्रकार की यदि कोई कमी हो तो उसको समय रहते दुरूस्त करा लें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परीक्षा के दौरान समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी इसके साथ ही परीक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, यातायात का सुचारू रूप से संचालन हो इसके लिए यातायात पुलिस की भी तैनाती की जाएगी। ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करवाया जाएगा। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस 08 सितम्बर को : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि 06 सितम्बर 2025 (शनिवार) को उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग परीक्षा-2025 प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2025 आयोजित होने के कारण सम्पूर्ण समाधान दिवस 08 सितम्बर 2025 दिन सोमवार को सम्पन्न किया जायेगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में पंचायत चुनाव को लेकर जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आगामी पंचायत चुनावों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी (प्र)/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जन प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन की तैयारियों के साथ मतदाता लिस्ट व बूथ स्तर पर सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एडीएम ने सभी जन प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि चुनाव लोकतंत्र का पर्व है, इसे निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता लग जाने के उपरांत पूर्ण पालन सुनिश्चित कराया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने भी आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए और जन प्रतिनिधियों से चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग का आग्रह किया। खण्ड शिक्षक/ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मतदेय स्थलों के निर्धारण के संबंध में बैठक संपन्न-अपर जिलाधिकारी (एडीएम) की अध्यक्षता में लखनऊ खण्ड शिक्षक/ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत स्थित मतदेय स्थलों के पुनर्गठन

एवं व्यवस्थाओं के संबंध में भी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मतदेय स्थलों की पुनर्संरचना, निर्वाचन नामावली के पुनरीक्षण तथा मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों का कार्यकाल आगामी 07 फरवरी 2026 को समाप्त हो रहा है। इसको देखते हुए निर्वाचन नामावली का समय पर पुनरीक्षण एवं प्रकाशन किया जाना आवश्यक है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 16 एवं 27 (6) के प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। निर्वाचन क्षेत्रों में नए मतदेय स्थलों के निर्माण एवं पुनर्गठन के दौरान यह देखा जाएगा कि किसी परिवार के सभी सदस्य एक ही स्थल पर दर्ज हों तथा दिव्यांग, वृद्ध एवं महिला मतदाताओं के लिए सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। मतदेय स्थलों की संख्या मतदाताओं की औसत संख्या के अनुसार समय-समय पर परिवर्तित की जाएगी। वर्ष 2023-24 के अनुसार एक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1500 मतदाता रखे जाने का प्रावधान है। जिन मतदेय स्थलों पर भवन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ वैकल्पिक स्थलों की पहचान कर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने खाया जहर,8 बच्चों का था पिता,आर्थिक तंगी बनी वजह

कौशांबी। सन्दीपन घाट बक्कीपुर गांव में एक पारिवारिक विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया।

40 वर्षीय बैजनाथ की प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बैजनाथ 8 बच्चों के पिता थे और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। आर्थिक तंगी के कारण पत्नी से अक्सर विवाद होता था। मंगलवार की शाम को पत्नी के मायके कयामुद्दीनपुर में, जब वह उसे वापस लाने गए, तो पत्नी ने बच्चों के साथ लौटने से इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर बैजनाथ ने शराब के नशे में ससुराल की चौखट पर जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से उन्हें जिला अस्पताल मंझनपुर और फिर प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद बुधवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। सन्दीपन घाट थाना प्रभारी के अनुसार, शव का पोस्टमार्टम कर परिवार को सौंप दिया गया है। परिवार की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आवारा पशुओं पर नगर निगम की कार्रवाई,20 पशु कांजी हाउस भेजे

प्रयागराज। शहर में लगातार बढ़ रही आवारा पशुओं द्वारा हमले और दुर्घटनाओं की घटनाओं पर सोशल मीडिया पर लोगों की नाराजगी खुलकर सामने आने लगी थी। आए दिन सड़कों पर घूमते आवारा मवेशियों से आमजन त्रस्त थे और कई घटनाओं में लोग घायल भी हो चुके थे। इन शिकायतों और खबरों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम प्रशासन ने आखिरकार कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य पशुधन अधिकारी नगर निगम के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने शहर के अलग-अलग इलाकों में

अभियान चलाया। यह टीम भावापुर, निहालपुर, करेली, मीरापुर और मुट्ठीगंज जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में पहुंची और सड़क पर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़ा। अभियान के दौरान करीब 20 से ज्यादा पशुओं को कांजी हाउस भेजा गया। अधिकारियों का कहना है कि शहर में स्वच्छता और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। भावापुर और निहालपुर मोहल्लों में जब कर्मचारियों ने सड़क पर छोड़ी गई गायों को पकड़ने की कोशिश की, तो वहां मौजूद कुछ लोगों ने आपत्ति जताई। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब स्थानीय लोगों ने निगम कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। बाद में पुलिस की मौजूदगी में हालात पर काबू पाया गया।नगर निगम का कहना है कि शहर को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को खुला न छोड़ें, अन्यथा उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में भाद्र शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान बामन की गई पूजा अर्चना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भाद्र शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर बाबा जगमोहनेश्वर

धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में वामन भगवान विराजित हैं।प्रातः काल 9:00 बजे गणपत भगवान की पूजा अर्चना के साथ भगवान वामन की भी पूजा की गई। वामन भगवान विष्णु के पांचवें अवतार हैं । भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में पूरब तरफ भगवान गरुण भगवान, पश्चिम तरफ भगवान नरसिंह, उत्तर की तरफ भगवान वामन, दक्षिण की तरफ भगवान वाराह विराजित है। भाद्र शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर वामन भगवान का दोपहर में जन्म हुआ था। सर्वप्रथम स्नान कराया गया । इसके बाद रोली, चंदन, एवं सिंदूर समर्पित किया गया । भगवान गणेश जी को हल्दी की माला, दुर्वांकुर एवं गुलाब की माला पहनाई गई। इसके बाद सामूहिक आरती की गई । आरती के पश्चात कढ़ी चावल प्रसाद, मोदक एवं लड्डू प्रसाद तथा केला प्रसाद का वितरण किया गया । मुख्य यजमान के रूप में आनंद जायसवाल, प्रवीण मिश्रा, पुष्पा मिश्रा, गीता त्रिवेदी, कृष्णा कांतत्रिपाठी, सरोज सिंह अमृता सिंह,चंद्रकांत त्रिवेदी, प्रतिभा तिवारी, दिग्विजय सिंह, डॉ शकुंतला सिंह, मीरा सिन्हा, अनिल सिन्हा एवं अश्वनी शुक्ला उपस्थित रहे।

सितम्बर माह की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने माह सितम्बर 2025 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली "ग्राम चौपाल" (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी एवं उपायुक्त, श्रम रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 05 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड महराजगंज में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड अमावां में एवं विकास खण्ड डीह में उपायुक्त, श्रम रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी प्रकार 12 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 लालगंज में, जिला विकास अधिकारी बछरावां में, उपायुक्त, श्रम रोजगार रोहनियां में। 19 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 छतोह में, जिला विकास अधिकारी डलमऊ में एवं उपायुक्त, श्रम रोजगार दीनशाहगौरा में। 26 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 ऊंचाहार में, जिला विकास अधिकारी जगतपुर में एवं उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड हरचंदपुर के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के चौथे दिन रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर (Naini ITC) में चल रहे ओरिएंटेशन कार्यक्रम के चौथे दिन छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर

नवप्रवेशी छात्रों ने संगीत, नृत्य, नाटक और कविता पाठ जैसी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात विभिन्न राज्यों की लोक सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने एकता में अनेकता की भावना को दर्शाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत और नाटक रहा, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संस्थान के प्रधानाचार्य श्री/श्रीमती डनाम डालें.ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि 'शैक्षणिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती हैं।' उन्होंने नवागंतुकों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्थान के सभी शिक्षकगण, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डनाम डालें. द्वारा किया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बीजेपी नेता की पत्नी बोलीं- उदय मुझे भी मार डालेगा,पति की हत्या के 13 दिन बाद भी आरोपी गायब,डीएम से मिलकर सुरक्षा की गुहार

प्रयागराज। भाजपा नेता रणधीर यादव की हत्या के बाद पुलिस ने हत्या के आरोपी राम सिंह व उदय यादव यादव की सास लीला

देवी सहित भाई विजय यादव एवं एक अन्य रवि भारतीय को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज चुकी है। हत्या कांड को करीब 12 दिन का समय बीत चुका है। बावजूद इसके नवाबगंज थाना पुलिस समेत 3 पुलिस टीम वारदात के मुख्य आरोपी उदय यादव का सुराग भी नहीं पा सकी है। पुलिस अफसरो के मुताबिक उदय यादव का मोबाइल चित्रकूट मे जहां रणधीर यादव की कार लावारिस हालत मे मिली थी, वही से बंद बता रहा है। सर्विलांस जांच मे आरोपी उदय यादव की लास्ट लोकेशन कानपुर मे मिली थी। जिसके आधार पर आरोपी के घर व संभावित रिस्तेदार के घरो पर दबिस दी जा रही है। जल्द आरोपी पुलिस के शिकंजे मे होगा। नवाबगंज के तुलसीराम का पूरा मे उदय यादव का पुस्तनी आलीशान मकान है। इस मकान मे मौजूदा समय से सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय लोगो के मुताबिक, जब से भाजपा नेता रणधीर यादव लापता हुआ था तभी से पूरा परिवार व नाट रिस्तेदार अचानक से घरो मे ताला लगा कर फरार है। घर के आसपास के लोग पुलिस कार्यवाही व पूंछ-तांछ के डर से अंजान व्यक्तियों को देखते ही घर के दरवाजे बंद कर लेते है। बार बार पूंछने पर भी मोहल्ले व पास पड़ोस के लोग उदय के बारे मे कोई बात नहीं करना चाहते है। लोगो का सिर्फ यही कहना है कि अगर उन्होने कुछ बोला तो पुलिस भी उन्हे पकड़ कर परेशान करेगी। फिलहाल उदय यादव के गाव मे पुलिस के डर से सन्नाटा पसरा हुआ है।

हिन्दू संगठनों ने जन्तर मन्तर पर बी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ प्रदर्शन किया

बी सुदर्शन रेड्डी छत्तीसगढ़ में दम तोड़ते नक्सली ईसाई आतंकवाद में जान डालने वाला खूंखार भेड़िया- हिन्दू संगठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना

कुमार शर्मा के नेतृत्व में हिन्दू संगठनों ने जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन किया और इंडी गठबन्धन द्वारा बी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीद्वार बनाये जाना, गठबन्धन का टुकड़े-टुकड़े गिरोह के हाथों में खेलना बताया। मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि इससे पहले भी कांग्रेस और इंडी गठबन्धन ने उत्तर पूर्वी दिल्ली से खूंखार नक्सली ईसाई आतंकवादी कन्हैय्या कुमार को खड़ा करके साबित कर दिया था कांग्रेस भारत के टुकड़े करने वालों के साथ खड़ी होकर देश की एकता और अखंडता के लिये खतरा बन चुकी है। बैठक में दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन ने कहा कि बी सुदर्शन रेड्डी वो शख्स है जिसने सर्वोच्च न्यायालय का न्यायधीश होते हुए एस एस निज्झर के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ में सलवा जुडूम पर प्रतिबन्ध लगाकर दम तोड़ते नक्सली ईसाई आतंकवाद में जान डाली थी। जिसके कारण दरभा घाटी में नक्सली ईसाई आतंकवादियों ने सलवा जुडूम आन्दोलन के सूत्रधारा कांग्रेस अध्यक्ष जननायक महेन्द्र कर्मा और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विद्याचरण शुक्ल सहित 28 लोगों को बारूद से उड़ा दिया था। इन सबकी हत्या के लिये बी सुदर्शन रेड्डी का 5 जुलाई 2011 को सलवा जुडूम पर प्रतिबन्ध लगाने का जानबूझकर दिया वो गलत फैसला जिम्मेदार है। जैन ने बताया कि सलवा जुडूम आन्दोलन के तहत सभी गांव वाले गांव छोड़कर शहर की सड़कों के किनारे आकर बस गये थे। जिसके कारण हर घर से एक लड़का या लड़की जबरदस्ती ले जाने ओर उनको गाय का मांस खिलाकर ईसाई बनाने और मन्दिरों को तोड़ने के नक्सली ईसाई आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित मानवाधिकार समिति ने भी यह बात बी सुदर्शन रेड्डी को बतायी थी। किन्तु बी सुदर्शन रेड्डी ने नक्सली ईसाई आतंकवादियों के मास्टर माइंड नन्दिनी सुन्दर, प्रशान्त भूषण और सी आई ए के ऐजेन्ट अग्निवेश के हाथों में खेलकर सलवा जुडूम पर रोक लगाकर दम तोड़ते नक्सली ईसाई आतंकवाद में जान डाल दी। बैठक में अटल जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बम बम महाराज ने बी सुदर्शन रेड्डी को भेड़ की खाल में छिपा वो भेड़िया बताया, जिसे सोनिया गांधी ने नक्सली ईसाई आतंकवादियों और सी आई ए के पे रोल पर सर्वोच्च न्यायालय में बैठाया था। श्री बम बम महाराज ने ऐसे नक्सली ईसाई आतंकवादियों के मास्टर माइंड को उपराष्ट्रपति बनाना देश की सुरक्षा के लिये बहुत बड़ा खतरा बताया। हिन्दू संगठनों ने बी सुदर्शन रेड्डी की सम्पत्ति की और नक्सली ईसाई आतंकवादियों से साठगांठ की एन आई ए से जांच कराने की मांग की। इसी के साथ जब तक यह जांच पूरी नहीं होती तब तक चुनाव आयोग से भी नक्सली ईसाई आतंकवदियों के रहनुमा बी सुदर्शन रेड्डी को नामांकन पत्र रद्द करने की मांग की।

अपेक्स बिल्डर पर चल रहे धरने का आज 36वां दिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भानु) द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गयी। जिसमे सभी पत्रकार बंधुओं को अवगत कराया गया की धरने को चलते हुए 36 दिन हो गए है।प्रेस वार्ता में पत्रकारों को बताया गया कि यदि सतनाम सिंह सचदेवा अगर हमारे कार्यकर्ता के पैसे नही देता है तो धरना सुचारू रूप से चलता रहेगा।

डिवाइडर से बाइक टकराने पर युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लेप्रोसी चौराहा के पास रेलवे ओवरब्रिज के नीचे बीते बुधवार को रात 11:30 बजे बसंत भारतीय उर्फ मुनी बाबा जो की तिघ्नौता के रहने वाले दांडी का लड़का जिसकी उम्र 21 साल डिवाइडर से बाइक टकराने पर गंभीर चोटे आई जिसमें मोहल्ले के लड़के कुछ लोग मेडिकल अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत्यु घोषित किया।

आईएमएस में खेला गया क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में इंटर-

डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया। बृहस्पतिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में बीबीए टीम ए ने बीबीए टीम सी को 3 रनों से शिकस्त दी। दूसरे सेमीफाइनल में बीसीए टीम ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीबीए टीम बी को 36 रनों से हराया। फाइनल मुकाबले में बीसीए टीम ए ने बीबीए टीम ए को 9 विकेट से हराकर इंटर-डिपार्टमेंट मेन्स क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं विमेंस क्रिकेट में बीबीए की टीम ने अपने प्रतिद्वंदी से 1 रन अधिक बनाकर जीत दर्ज की। आईएमएस की स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर रीना मैसी ने बताया कि इस दो दिवसीय टूर्नामेंट में छात्रों की 8 टीमों एवं छात्राओं के बीच 1 मैच खेला गया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 22 रनों की पारी खेलने और 2 विकेट झटकने के लिए शिवा को मेन्स क्रिकेट टूर्नामेंट का मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं विमेंस क्रिकेट में 4 विकेट लेने वाली अनुष्का को सम्मानित किया गया। ईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किए और खिलाड़ियों को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलों से टीम भावना और नेतृत्व कौशल का विकास होता है, जो छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है। वहीं आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि खेल आयोजन छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ खेलों को भी अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा बनाएं।

उत्तर प्रदेश में पहली बार नोएडा स्थित फोर्टिस ने 437 ग्राम की प्रोस्टेट को रोबोट की मदद से हटाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने एक दुर्लभ सर्जरी में सफलता प्राप्त की है। डॉक्टर्स ने रोबोट की मदद से सर्जरी करके 85 साल के एक बुजुर्ग की 437 ग्राम की प्रोस्टेट को सफलतापूर्वक निकालकर नई कामयाबी हासिल की है। यह उत्तर प्रदेश में रोबोट से प्रोस्टेट निकालने के सबसे बड़े मामलों में से एक है। इस मरीज को पिछले 20 साल से भी ज़्यादा समय से पेशाब से जुड़ी गंभीर समस्याएं हो रही थीं और उसे 10 साल पहले ही सर्जरी कराने की सलाह दी गई थी। पिछले छह महीनों में उसकी हालत और भी खराब हो गई थी। उसे निचले यूनिरी ट्रैक्ट में गंभीर लक्षण (एलयूटीएस), पेशाब करने में रुकावट, बार-बार पेशाब आना और तेजी से पेशाब आने का दबाव जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे थे। पिछले कई महीनों से, मरीज कैथेटर (पाइप) पर निर्भर हो गया था, जिससे उसकी जीवनशैली पर बहुत बुरा असर पड़ रहा था। फोर्टिस नोएडा में जांच के बाद, मरीज को बेनिन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) नामक बीमारी होने का पता चला। यह प्रोस्टेट का कैंसर-रहित, लेकिन गंभीर लक्षणों वाली बीमारी है। प्रोस्टेट का आकार 400 ग्राम (सटीक वजन 437 ग्राम) से भी ज्यादा था, जो कि सामान्य सर्जरी से किए जाने वाले इलाज से बहुत बड़ा था। फोर्टिस नोएडा के यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट के डायरेक्टर डॉ. पीयूष वार्ष्णेय के नेतृत्व में डॉक्टर्स की एक टीम ने डॉ. विंची सर्जिकल रोबोट की मदद से रोबोटिक सिंपल प्रोस्टेटेक्टोमी करने की सलाह दी। यह आधुनिक रोबोटिक प्लेटफॉर्म हाई-डेफिनिशन विज़ुअलाइज़ेशन, कंपन में कमी, और कलाई जैसे घूमने वाले उपकरण की सुविधा प्रदान करता है, जिससे आस-पास के अंगों को सुरक्षित रखते हुए भी सटीकता से सर्जरी की जा सकती है। यह सर्जरी सफलता पूर्वक पूरी हुई और इसमें खून का नुकसान भी बहुत कम हुआ। मरीज को केवल 48 घंटों के भीतर अच्छी हालत में हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। इस सर्जरी के बारे में जानकारी देते हुए फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा के यूरोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. पीयूष वार्ष्णेय ने कहा, 'यह रोबोट द्वारा संचालित हमारे द्वारा की गई सबसे अधिक वजन वाले प्रोस्टेट की सर्जरी थी। रोबोट से की जाने वाली प्रोस्टेटेक्टोमी (प्रोस्टेट हटाने की सर्जरी) बड़े प्रोस्टेट, खासकर बहुत बड़े आकार के प्रोस्टेट का इलाज करने के तरीके में एक नई क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। मरीजों को इससे कम दर्द होता है, जटिलताएं भी कम होती हैं और वे बहुत जल्दी ठीक होकर अपने रोजमर्रा के काम फिर से शुरू कर पाते हैं। यह एक गेम चेंजर है। रोबोटिक प्लेटफॉर्म की मदद से, हम बहुत खून के नुकसान को कम करने, तेज़ी से ठीक होने और सर्जरी के बाद के दर्द को काफी कम करने में कामयाब रहे हैं। इस मामले में, जिस सर्जरी के लिए पहले एक बड़ा चीरा लगाना पड़ता था और ठीक होने में हफ्तों का समय लगता था, उसे कुछ छोटे-छोटे चीरों से ही पूरा कर लिया गया और मरीज के दैनिक जीवन में भी कोई ज्यादा रुकावट नहीं आई। मरीज अगले ही दिन चलने लगा और 48 घंटों के भीतर उसे हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। हॉस्पिटल से छुट्टी पाने के बाद से मरीज को पेशाब से जुड़ी क्रिया और संपूर्ण स्वास्थ्य में बहुत अच्छा सुधार हुआ है।' दिल से आभार व्यक्त करते हुए मरीज ने कहा, 'मैंने कई सालों तक इस तकलीफ़ और परेशानियों के साथ जीने की आदत डाल ली थी। डॉ. वार्ष्णेय और उनकी टीम का धन्यवाद, जिन्होंने मुझे जीवन में दूसरा मौका दिया है। काश, मैंने यह पहले करवा लिया होता।' फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के जोनल डायरेक्टर मोहित सिंह ने कहा, 'यह मामला आधुनिक स्वास्थ्य तकनीक का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें रोबोट की मदद से की गई सर्जरी से जटिल यूरोलॉजिकल बीमारी को ठीक करने में मदद मिली। इस मामले की सफलता न केवल सर्जिकल क्षेत्र में हुई तकनीकी प्रगति को दर्शाती है, बल्कि सर्जन की विशेषज्ञता और रोगी की देखभाल के महत्व को भी बताती है। फोर्टिस नोएडा में, हमारा ध्यान अत्याधुनिक, नैतिक और मरीज-केंद्रित देखभाल प्रदान करने पर है, जो न केवल लंबे समय तक जीवित रहना सुनिश्चित करती है, बल्कि जीवन को भी बेहतर बनाती है।' फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के बारे में फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली एक बड़ी कंपनी है। यह मुख्य रूप से हॉस्पिटल, डायग्नोस्टिक और डे केयर स्पेशलिटी की सुविधाएं प्रदान करती है। वर्तमान में, कंपनी 11 राज्यों में 33 स्वास्थ्य सेवा केंद्रों (जिसमें जॉइंट वेंचर और ऑपरेशन एंड मैनेजमेंट सुविधाएं भी शामिल हैं) का संचालन करती है। कंपनी के नेटवर्क में 5,700 से ज़्यादा बेड (जिसमें ओएंडएम बेड भी शामिल है) और 400 डायग्नोस्टिक लैब हैं।

गलगोटिया विश्वविद्यालय और एनटीयू सिंगापुर ने एक्टिव एवं कोलैबेरेटिव लर्निंग कार्यक्रम की पहली वर्षगांठ मनाई

नोएडा गलगोटिया विश्वविद्यालय और नानयांग टेक्नो लॉजिकल यूनिवर्सिटी (एनटीयू), सिंगापुर द्वारा व्यवस्था ने 'बैकबेंचर्स' जैसी पुरानी धारणाओं को खत्म कर हर छात्र को बराबर का हिस्सेदार बना दिया है।

संयुक्त रूप से शुरू किए गए एक्टिव एवं कोलैबेरेटिव लर्निंग कार्यक्रम की एक वर्षगांठ के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस पहल को भारतीय उच्च शिक्षा में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

समारोह में यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के वरिष्ठ अधिकारी प्रो. साइमन बेट्स मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक वर्ष में गलगोटियास विश्वविद्यालय ने जिस तरह शिक्षा पद्धति में नवाचार किया है, वह सराहनीय और देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणादायक है।' विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने इस पहल को नई पीढ़ी के लिए शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन बताया। उन्होंने कहा कि एक्टिव लर्निंग ने न केवल पढ़ाने-पढ़ने के तरीके को बदला है, बल्कि छात्रों में जुड़ाव, सहयोग और आत्मविश्वास बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 18 स्कूलों ने 21 प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी अभिनव शिक्षण पद्धतियों को प्रस्तुत किया। इनमें से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन स्कूलों को विश्वविद्यालय की निदेशक संचालन आराधना गलगोटिया ने सम्मानित भी किया गया।

शिक्षकों ने साझा किया कि इस पहल से छात्रों की सोचने की क्षमता, सहभागिता एवं आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चुलाधिपति श्री सुनील गलगोटिया ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'पूरे विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति को बदलना आसान नहीं था, लेकिन आज जो परिणाम सामने आए हैं, वे सामूहिक मेहनत और समर्पण का नतीजा हैं।'

समारोह के समापन पर प्रो. रिचर्ड जोम्स ने गलगोटिया विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय एक अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ईपीसीएच ने उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 का स्वागत किया, हस्तशिल्प के लिए नए विकास पथ की उम्मीद की

यूपी निर्यात संवर्धन नीति हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 का स्वागत किया , जो एक ऐसा बुनियादी ढांचा प्रदान करती है जो उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्प वैल्यू चेन में क्लस्टर ईकोसिस्टम को मजबूत करने, बाजार संबंधों का विस्तार करने और अनुपालन की क्षमताओं को बढ़ाने की परिषद की दीर्घकालिक दृष्टि से मेल खाती है। हाल ही में, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल के साथ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और उत्तर प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सुझावात्मक नीतिगत हस्तक्षेपों और रणनीतियों के साथ एक उन्नत, एमएसएमई-अनुकूल निर्यात नीति का अनुरोध किया। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि ईपीसीएच माननीय मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता है और उत्तर प्रदेश के कारीगरों और निर्यातकों के विकास के लिए समन्वित कार्रवाई की आशा करता है। यूपी की निर्यात संवर्धन नीति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के इस दौर में यूपी निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 हमारे निर्यातकों के लिए सही समय पर और व्यावहारिक सहयोग प्रदान करती है। उत्तर प्रदेश का भारत के हस्तशिल्प निर्यात में एक अहम योगदान है और ईपीसीएच ने हमेशा राज्य में क्लस्टर ईकोसिस्टम को नीतिगत समर्थन, बाजार विकसित करने और कारीगर-केंद्रित पहलों के माध्यम से सशक्त बनाने में योगदान दिया है। निर्यात नीति 2025-35 के साथ, हम निर्यात को बढ़ाने, कारीगरों की आय बढ़ाने और मुरादाबाद, सहारनपुर, आगरा, फिरोजाबाद और अन्य समूहों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने का एक स्पष्ट मार्ग देखते हैं।' समर्थनकारी प्रावधानों का स्वागत करते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, 'यह नीति भारत और विदेशों में मेले में भागीदारी के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता; एमआईसीई कार्यक्रमों में भागीदारी का समर्थन; आईसीडी/सीएफएस और एलसीएल शिपमेंट के माध्यम से लॉजिस्टिक्स सुविधा; ई-कॉमर्स से जुड़ने में सहायता और निर्यात ऋण बीमा (ईसीजीसी) प्रीमियम सहायता जैसी महत्वपूर्ण प्रावधानों को प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही, इस नीति के तहत बाजार से जुड़ी सामान्य जानकारियों को जुटाने के लिए बहु/राज्य व्यापार सुविधा केंद्र (एमटीएफसी/एसटीएफसी) और एक समर्पित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) की परिकल्पना की गई है, जिससे उत्तर प्रदेश के शिल्प से जुड़े छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को कम लागत में काम करने, ज्यादा बाजार तक पहुंचने और जोखिम प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा।' ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने कहा कि 'उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 एक आगे बढ़ने वाला कदम है जो निर्यातकों और कारीगरों की जरूरतों को सीधे तौर पर ध्यान में रखती है। यह नीति बाजार तक आसान पहुंच के साथ बेहतर आर्थिक सहायता, क्लस्टर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने जैसे उपायों के जरिए न केवल निर्यात बढ़ाने में मदद करेगी, बल्कि राज्य भर के हजारों कारीगरों की आजीविका को भी बेहतर बनाएगी। ईपीसीएच इस नीति को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' नीति की मुख्य बातें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी कर दी गई हैं, तथापि इस मामले में अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जाएगी। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न हस्तशिल्प क्लस्टरों में काम कर रहे लाखों कारीगरों के जादुई हाथों से बने उत्पादों- जैसे होम डेकोर, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज को वैश्विक ब्रांड बनाने की दिशा में कार्य करने वाली एक नोडल संस्थान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और वहीं वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश से हस्तशिल्प का निर्यात 7122.49 करोड़ रुपये रहा।

मिस यू पापा...लिखकर युवक ने किया सुसाइडःपिता की फोटो सामने रखकर फंदे पर लटका

कानपूर। कानपुर में मिस यू पापा..लिखकर एक युवक ने सुसाइड कर लिया। युवक के पिता की डेढ़ महीने पहले मुंह के कैंसर से मौत हो गई थी। तभी से युवक परेशान रहता था। युवक ने बुधवार रात पिता की फोटो सामने रख कर फंदा लगाकर जान दे दी। पिता की मौत के बाद बेटा लगातार अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर मिस यू पापाष्ठ लिख कर पोस्ट कर रहा था। बड़ा भाई सौरभ पहली मंजिल से उतर कर आया, जिसके बाद उसे घटना की जानकारी हुई। घटना रायपुरवा थाना क्षेत्र के भन्नानापुरवा की है।भन्नानापुरवा निवासी राजकुमार की मुंह के कैंसर की बीमारी से 20 जुलाई को मौत हो गई थी। इसके बाद से उनका बेटा सचिन (23) अवसाद में चल रहा था। वह राजमिस्त्री का काम करता था। परिवार में बड़ा भाई सौरभ और छोटा सुजल मां रीता हैं। बुधवार देर रात खाना खाने के बाद पूरा परिवार पहली मंजिल स्थित कमरे में सोने चला गया, जबकि सचिन ग्राउंड फ्लोर में बने कमरे में सोने की बात कहकर चला गया था।इसके बाद सचिन ने पिता की फोटो के सामने रख दुपट्टे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुबह पहली मंजिल से उठकर नीचे आए भाई सुजल ने शव लटकता देख परिजनों को जानकारी दी। शव जहां पर लटका था। वहीं पर सामने पिता की फोटो रखी थी। जिसके बाद परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।दोस्त अनुज ने बताया- कैंसर की बीमारी से परेशान पिता को सचिन ने तड़पते देखा था। कई बार परेशान होकर सचिन ने उससे पिता की बीमारी का जिक्र भी किया था। लगातार डिप्रेशन में रहता था।दोस्त अनुज ने बताया- पिता की मौत के बाद से वह लगातार गुमसुम रहता था, किसी से कोई बात भी नहीं करता था। बस इंस्टाग्राम आईडी पर पिता के साथ फोटो पोस्ट किया करता था। कुछ दिन पहले ही उसने चिट?ठी न कोई संदेशष्ठ गीत लगाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। कल भी उसने मिस यू पापा लिखकर पोस्ट किया था। उसमें अपने पापा की फोटो भी लगाई थी।रायपुरवा थाना प्रभारी रायपुरवा इंस्पेक्टर विजय कुमार सरोजने बताया- पिता की मौत के बाद युवक डिप्रेशन में चल रहा था। जिसकी वजह से उसने आत्महत्या की है।

ग्लोबल टॉक सेशनः 'नेक्स्ट जेनरेशन लीडरशिप' का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट

ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने ग्लोबल टॉक सेशन का आयोजन किया, जिसका विषय था 'नेक्स्ट जेनरेशन लीडरशिप'। इस सत्र में स्विट्जरलैंड के ह्यूमनिस्टिक मैनेजमेंट नेटवर्क के फैकल्टी डॉ. अन्र्स्ट वॉन किमाकोविट्ज़ ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। सेशन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गेस्ट के स्वागत के साथ हुआ । डॉ. किमाकोविट्ज़ ने भविष्य के नेताओं के लिए तीन महत्वपूर्ण चुनौतियों पर प्रकाश डालाः सस्टेनेबिलिटी (पर्यावरण), वितरण (समानता), और शांति (जियोपॉलिटिकल टेंशंस)। उन्होंने जोर दिया कि नेताओं को जलवायु परिवर्तन, असमानता और भू-राजनीतिक तनाव जैसी समस्याओं का समाधान करने के लिए उद्देश्य-चालित नेतृत्व की आवश्यकता है। डॉ. किमाकोविट्ज़ ने कहा कि भविष्य के नेतृत्व को लाभ-केन्द्रित से उद्देश्य-चालित बनना चाहिए। सफलता का सच्चा माप न केवल वित्तीय लाभ में है, बल्कि लोगों, समाज और पर्यावरण के लिए स्थायी मूल्य बनाने में है। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के निदेशक डॉ. सपना राकेश ने कहा, 'हम अपने छात्रों को भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन श्री पंकज अग्रवाल ने कहा, 'हम अपने छात्रों को न केवल शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें एक अनुभव प्रदान करते हैं जो उन्हें तेजी से बदलते विश्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करे।' कार्यक्रम का समापन छात्रो के सर्टिफिकेट वितरण और धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज और शैक्षणिक अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी का तीव्र विरोध, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के

कार्यकर्ताओं द्वारा रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर बाहरी गुंडों द्वारा हमले और पुलिस द्वारा किए गए बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा एक ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों की अनियमितता, सामाजिक कल्याण भवनों पर अवैध कब्जा एवं कोर्ट के आदेश के बावजूद निर्माण न हटाए जाने जैसी गम्भीर समस्याओं पर कड़ी आपत्ति दर्ज की गई। ज्ञापन की मुख्य माँगें: -1-दोषी पुलिसकर्मियों और बाहरी गुंडों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई हो। 2-बिना बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता के चल रहे विधि पाठ्यक्रम को तत्काल बंद किया जाए। 3-छात्रों के लिए बने भवनों को निजी संस्थानों को दिए जाने की जाँच की जाए। 4-कोर्ट के आदेश के अनुसार अवैध निर्माण को तत्काल हटाया जाए। शशांक मिश्रा (प्रदेश सह मंत्री, एबीवीपी) ने कहाः- 'छात्रों की आवाज़ को दबाने के लिए प्रशासन द्वारा किया गया बर्बर लाठीचार्ज निंदनीय है। एबीवीपी छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी। सरकार को छात्रों की बात सुननी ही होगी।' सौरभ सिंह (विभाग संयोजक) ने कहाः- 'रामस्वरूप विश्वविद्यालय में लगातार शैक्षणिक अनियमितताएं सामने आ रही हैं। विधि जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को बिना मान्यता के चलाना छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। यह तत्काल रोका जाना चाहिए।' ललितेश मिश्रा (जिला संयोजक) ने कहाः- 'छात्रों के हितों की रक्षा एबीवीपी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि 48 घंटे में कार्यवाही नहीं होती, तो एबीवीपी जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक बड़ा आंदोलन करेगी। विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया है कि यदि 48 घंटे के भीतर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो संगठन प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन छिड़ेगा। इस मौके पर प्रान्त जनजाति कार्य प्रमुख मनमोहन,प्रान्त कार्यसमिति अनमोल सोनी,पूर्व जिला संयोजक सौरभ चौबे,मनीष पटेल,जिला सदस्यता प्रमुख प्रिंस पटेल,अमन राज सिंह,अभय सिंह,आलोक सोनकर,हर्ष चौबे,अनंन्दजीत सिन्हा आदि कायकर्ता उपस्थित रहे।

एडीजी ने 172 ग्राम चौकीदारों को साईकिल छाता टार्च किए वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 'पीयूष मोर्डिया' अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी के जनपद सोनभद्र में आगमन पर पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गयी, महोदय द्वारा सलामी गार्द का अभिवादन स्वीकार किया गया। ग्राम प्रहरीयो में साइकिल वितरण कार्यक्रम-पुलिस लाईन चुर्क में ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदार) के सम्मान हेतु 'ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह कार्यक्रम' का आयोजन किया गया । आयोजित कार्यक्रम में पीयूष मोर्डिया, अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन वाराणसी, आर.पी. सिंह, पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर व अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा ग्राम प्रहरियों को कर्त्तव्य पालन हेतु जनपद के समस्त थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में कार्यरत 172 ग्राम चौकीदारों को साईकिल, छाता एवं टार्च का वितरण किया गया। एडीजी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर ग्राम चौकीदारों को रवाना किया गया । साईकिल पाकर ग्राम चौकीदारों द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक , पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र का हृदय से धन्यवाद दिया गया । अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी द्वारा बताया गया कि चौकीदार हमारे पुलिस विभाग की सबसे प्रथम कड़ी हैं। पुलिस विभाग से ग्राम प्रहरियों को जोडने एवं प्रोत्साहन हेतु संवाद स्थापित कर उन्हें सम्मानित किया गया ताकि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्र में घटित कोई भी छोटी से छोटी घटना की सूचना ग्राम प्रहरियों(चौकीदोरों) के माध्यम से जनपदीय पुलिस को तत्काल प्राप्त हो सके। जिससे जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ किया जा सके। वहीं आरटीसी सम्बोधन-करते हुए एडीजी द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'पुलिस की वर्दी को पहनना गौरव की बात है। 'वर्दी सिर्फ एक पोशाक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन, और जनता की सेवा का प्रतीक है। आरक्षी पुलिस विभाग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसकी कार्यप्रणाली से पुलिस की सकारात्मक छवि देश, प्रदेश और समाज में प्रदर्शित होती है। एक आरक्षी के आचरण, भाषा, समयबद्धता और संवेदनशीलता से पुलिस की पूरी छवि बनती या बिगड़ती है।

वामन जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वामन जयंती 4 सितंबर को मनाई गई। वामन जयंती की द्वादशी तिथि 4 सितंबर को सुबह 4 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 5 सितंबर को सुबह 4 बजकर 8 मिनट पर होगा। वामन जयन्ती भगवान विष्णु के वामन रूप में अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में मनायी जाती है। वामन जयन्ती भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को मनायी जाती है। भागवत पुराण के अनुसार, वामन भगवान विष्णु के दशावतार में से पाँचवे अवतार व त्रेता युग में पहले अवतार थे। भगवान विष्णु के पहले चार अवतार पशु रूप में थे, जो की क्रमशः मत्स्य अवतार, कूर्म अवतार, वराह अवतार और नृसिंह अवतार थे। इसके पश्चात् वामन मनुष्य रूप में पहले अवतार थे। वामन देव ने भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष द्वादशी को अभिजित मुहूर्त में जब श्रवण नक्षत्र प्रचलित था। माता अदिति व कश्यप ऋषि के पुत्र के रूप में जन्म लिया था। भगवान विष्णु ने स्वर्ग लोक पर इन्द्र देव के अधिकार को पुनःस्थापित करवाने के लिये वामन अवतार लिया था। भगवान विष्णु के परमभक्त व अत्यन्त बलशाली दैत्य राजा बलि ने इन्द्र देव को पराजित कर स्वर्ग पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था। भगवान विष्णु के परम भक्त और दानवीर राजा होने के बावजूद, बलि एक क्रूर और अभिमानी राक्षस था। बलि अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर देवताओं और ब्राह्मणों को डराया व धमकाया करता था। अत्यन्त पराक्रमी और अजेय बलि अपने बल से स्वर्ग लोक, भू लोक तथा पाताल लोक का स्वामी बन बैठा था। स्वर्ग से अपना अधिकार छिन जाने पर इन्द्र देव अन्य देवताओं के साथ भगवान विष्णु के समक्ष पहुँचे और अपनी पीड़ा बताते हुये सहायता की विनती की। भगवान विष्णु ने इन्द्र देव को आश्वासन दिया कि वे तीनों लोकों को बलि के अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने हेतु माता अदिति के गर्भ से वामन अवतार के रूप में जन्म लेंगे। भगवान विष्णु इन्द्र से किये अपने वचन को पूरा करने के लिये वामन रूप धारण कर उस सभा में पहुँचे जहाँ राजा बलि अश्वमेध यज्ञ कर रहे थे। वामन देव ने भिक्षा के रूप में बलि से तीन पग धरती की याचना की। बलि जो की एक दानवीर राजा थे, सहर्ष रूप से वामन देव की इच्छा पूर्ति करने के लिये सहमत हो गये। तत्पश्चात, वामन देव ने अत्यन्त विशाल रूप धारण कर अपने पहले पग से ही समस्त भू लोक को नाप लिया। दूसरे पग से उन्होंने स्वर्ग लोक नाप लिया। अन्ततः, जब वामन देव अपना तीसरा पग उठाने को हुये तब राजा बलि को यह ज्ञात हुआ की यह भिक्षुक कोई साधारण ब्राह्मण नहीं अपितु स्वयं भगवान विष्णु हैं। अतः बलि ने तीसरे पग के लिये अपना शीश वामन देव के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। तब भगवान विष्णु ने बलि की उदारता का सम्मान करते हुये, उसका वध करने के बजाय उसे पाताल लोक में धकेल दिया। भगवान विष्णु ने साथ ही बलि को यह वरदान भी दिया कि वह वर्ष में एक बार अपनी प्रजा के समक्ष धरती पर उपस्थित हो सकता है। राजा बलि की धरती पर वार्षिक यात्रा को केरल में ओणम तथा अन्य भारतीय राज्यों में बलि-प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है।

संघ की मजबूती के लिए एकजुट होकर करें कार्य-प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र,यूटा के बैनर तले शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शैक्षिक अधिवेशन आयोजित

अखिलेश सिंह गुंजन मंडल अध्यक्ष व रूद्र मिश्रा बने जिला महामंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा), सोनभद्र

द्वारा शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शैक्षिक अधिवेशन का आयोजन नगर के एक होटल में किया गया। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, शिक्षकों के हितों की रक्षा करने और शिक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान करने पर चर्चा हुई। इस अधिवेशन में न केवल शैक्षिक मुद्दों पर चर्चा हुई, बल्कि संगठन की मजबूती और शिक्षकों के लिए सामूहिक सौदेबाजी जैसे पहलुओं पर भी जोर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने मंडल के पदाधिकारियों की घोषणा किया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। यूटा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा अधिकार अधिनियम आरटीई की गलत व्याख्या करके छात्र संख्या 150 से कम वाले स्कूल के प्रधानाध्यापक के पदों को समाप्त कर रहे हैं। एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत परिषदीय विद्यालय को बंद करके गरीब बच्चों को बुनियादी शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित करने की योजना चल रही है। जिसे यूटा किसी कीमत पर बर्दास्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक समाज संगठित रहेगा तो उसका कोई शोषण नहीं कर सकता है। कहा कि वर्तमान में शिक्षकों से बीएलओ, डीबीटी, एमडीएम जैसी अनेक योजनाओं का कार्य कराया जा रहा है जिसके कारण शिक्षक अप्रत्यक्ष रुप से दबाव में रहता है। उसे इन कार्यों से मुक्त करते हुए सिर्फ शिक्षण कार्य कराना जाना चाहिए। साथ ही सरकार से सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने की मांग की। अंत में प्रदेश अध्यक्ष ने संघ की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने की नसीहत दी। मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह गुंजन ने शिक्षकों से एक जुटता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जिलाध्यक्ष शिवम अग्रवाल ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षकों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने मण्डल और जिले के पदाधिकारियों की घोषणा किये। इस मौके पर जिला महामंत्री रूद्र मिश्रा, अंजनी द्विवेदी, रूद्र प्रसाद मिश्रा, निवेदिता रेमी, कृष्ण कुमार, विकास यादव, सूर्य प्रकाश सिंह, संतोष यादव, वकील अहमद, अजय द्विवेदी, रचना अग्रवाल, संघमित्रा राय, त्रिपदा सेंगर, बीएन सिंह, रेखा, सुनिता चौधरी आदि मौजूद रहे।

पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।ब्लॉक संसाधन केंद्र चतरा पर निपुण भारत मिशन के अंतर्गत

फाउंडेशनल लर्निंग एंड न्यूमेरेसी एवं एनसीईआरटी पर आधारित पाठ्य पुस्तकों के 5 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का अंतिम दिन खंड शिक्षा अधिकारी चतरा अशोक कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण में कक्षा 1 से 5 तक एनसीईआरटी पुस्तकों पर आधारित नवीन पाठ्य पुस्तक एवं कक्षा शिक्षण में संदर्शिका का प्रयोग करते हुए शिक्षण करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा । इसमें सभी प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालय के समस्त शिक्षक / शिक्षिका और शिक्षा मित्र प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नवीन किताबों को उपयोग कैसे किया जाना है । विशेषकर भाषा ,गणित और अंग्रेजी विषय के संदर्भ में प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को निपुण बनाने के लिए शिक्षकों को शिक्षक संदर्शिका,कार्य पुस्तिका,वार्षिक और साप्ताहिक ट्रैकर भरने की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण संदर्भ दाता के रूप में संतोष देव पाण्डेय एआरपी गणित, राम नारायण पाण्डेय एआरपी विज्ञान , अनुपम कुमार दुबे एआरपी सामाजिक विषय, आनंद देव पाण्डेय एआरपी अंग्रेजी एवं सुजीत कुमार सिंह एआरपी हिंदी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दिनांक 29 अगस्त से 3 सितंबर तक बैच तीन और चार का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। चारों बैच में कुल मिलाकर अब तक 200 शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया दिया गया है।

कार्यकर्ताओ ने फुंका ओम प्रकाश राजभर का पुतला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामस्वरूप विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद के शांतिपूर्ण आंदोलन पर बाहरी

गुंडों द्वारा हमला,पुलिसकर्मियों द्वारा बर्बर लाठीचार्ज व विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम वेव अवैध संचालन सहित अनियमितता से युक्त विश्वविद्यालय पर कार्यवाही की मांग को ले कर आज ABVP का प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन, वही उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पर की गई टिप्पणी जिसमे छात्रों पर लाठी चार्ज के मामले को सही बताना और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओ को गुंडा कहे जाने के विरोध मे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सोनभद्र के कार्यकर्ताओ ने पुतला फुंक कर विरोध प्रदर्शन किया आंदोलन का नेतृत्व विभाग संयोजक सौरभ सिंह ने किया और बताया की यदि छात्रों की अस्मिता और विद्यार्थी परिषद जैसे शैक्षणिक परिवार की परिकल्पना करने वाले छात्र संगठन पर इस प्रकार की टिप्पणी बर्दाश्त नही होगी ओम प्रकाश राजभर सामूहिक रूप से विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओ से माफी मांगे और भविष्य मे ऐसी किसी भी प्रकार की टिप्पणी न करे और मुख्यमंत्री से भी यह मांग है की ऐसी कुंठित मानसिकता रखने वाले मंत्री को तत्काल सरकार से बर्खास्त करें। इस दौरान विभाग संयोजक सौरभ सिंह, प्रान्त कार्य समिति सदस्य अनमोल सोनी, जिला संयोजक ललितेश मिश्रा प्रदेश संयोजक जनजाति कार्य मनमोहन निषाद, पूर्व जिला संयोजक सौरभ चतुर्वेदी, मृगांक दुबे, राहुल जालान अमन सिंह, कुँवर चतुर्वेदी, विकास चौबे मनीष पटेल, प्रिंस पटेल, आशुतोष मोदनवाल, हर्ष, वेदान्त, सत्यम, आयुष, शशांक, देवी प्रसाद, राज सिंह, आयुष राज केशरी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने पूर्व सीएम कमलापति त्रिपाठी की मनाई जयंती

सोनभद्र। जिला कॉग्रेस कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक बुधवार को जिलाध्यक्ष रामराज कहा की पंडित कमलापति त्रिपाठी ने उत्तर प्रदेश मे किसानो के तरक्की के लिए नहरों का जाल बिछाया पूरे जोश और उत्साहित होकर कार्य कर रहे है त जल्द ही संगठन तैयार कर पंचायत चुनाव मे कॉग्रेस बड़ी

सिंह गोंड की अध्यक्षता मे जिला कॉग्रेस कार्यालय पर सम्पन हुई। बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे कोऑर्डिनेटर करम चंद विंद मौजूद रहे।कार्यक्रम मे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कॉग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलापति त्रिपाठी की जयंती मनाया गया, उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया त इस दौरान जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने था, उनको विकास पुरुष के रूप मे पूरा प्रदेश जनता है।यूपी मे विकास की गंगा बहाने का काम किया।सोनभद्र के विकास मे उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।कोऑर्डिनेटर करम चंद बिंद ने कहा की संगठन सृजन अभियान के तहत संगठन को मजबूत बनाया जा रहा, बूथ और मंडल अध्यक्ष बनाए जा रहे है। संगठनात्मक कार्य पूरा करने के लिए कार्यकर्ता भूमिका मे दिखाई देगी। जिला उपाध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी और जिला महासचिव इनामुल हक अंसारी ने कहा की बीजेपी सरकार राहुल गाँधी की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाहट मे है त कॉग्रेस कार्यालय का घेराव उनकी घबड़ाहट को दर्शाता है।कांग्रेस प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा, आशुतोष दुबे, संगीता श्रीवास्तव, जगदीश मिश्रा कौशलेश पाठक सहित आदि मौजूद रहे।

इंटरलॉकिंग हाईमास्ट लाइट का विधायक ने किया लोकार्पण,जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर में हुए कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत जिला

विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग अथवा हाईमास्ट लाइट कार्य का लोकार्पण मुख्य अतिथि घोरावल विधायक डॉ अनिल मौर्य विशिष्ट अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, प्रधानाचार्य डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह द्वारा शिलापट्ट का फीता काटकर किया गया। इस दौरान घोरावल विधायक अनिल मौर्य व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि पीएम मोदी अथवा सीएम योगी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में विकास कार्य किया जा रहे हैं उसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के समीप विकास कार्यों को कराया गया है जिसके लोकार्पण कराकर एक संदेश देने का काम किया गया जिले के विभिन्न विद्यालयों से आने जाने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को सुविधाओं का सामना करना पड़ता था अब उससे निजात की व्यवस्था हो गई अंधेरे में ग्रामीणों को आने जाने व परिसर सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इंतजाम किए गए जिससे शिक्षा जगत के साथ एक समाज में संदेश देने का काम करता है उसी प्रकार सरकार विकास के माध्यम से हर व्यक्ति को विकसित करने का काम कर रही है इस मौके पर खंड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला, अपार अभियंता श्यामधर,आलोक रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षक सम्मान, प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का सर्किट हाउस सभागार में किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकसित भारत 2047, विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित सोनभद्र की परिकल्पना को साकार करने हेतु संगोष्ठी का किया गया आयोजन शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर सर्किट हाउस सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन मा0 विधायक सदर श्री भूपेश चैबे की अध्यक्षता में किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ0 सर्वपल्लवी राधा कृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 विधायक सदर श्री भूपेश चैबे, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता, पूर्व राज्यसभा सासद श्री रामसकल, ब्लाक प्रमुख नगवां श्री आलोक सिंह, ब्लाक प्रमुख सदर श्री अजीत रावत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक सदर श्री भूपेश चैबे, उपस्थित स्कूल के प्रबन्धक, प्रधानाचार्य व शिक्षक बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज शिक्षक दिवस की पूर्व सन्ध्या पर शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, यह बहुत ही सुखद क्षण है, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकगणों को सम्मानित किया जा रहा है, देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत, 2047 के मिशन को पूर्ण करने में शिक्षकगणों को महत्वपूर्ण भूमिका है, शिक्षकगणों द्वारा ही एक अच्छे समाज का निर्माण किया जाता है, विकसित भारत 2047, विकसित उत्तर प्रदेश व विकसित सोनभद्र की परिकल्पना को साकार करने हेतु शिक्षकगणों द्वारा जो भी सूझाव व विचार रखे गये हैं, उनके विचारों को एकत्र करके उच्च स्तर पर भेजने का कार्य भी किया जायेगा, जैसे कि विकसित भारत 2047 की जो परिकल्पना देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी की है, वह आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रामसकल जी ने कहा कि डॉ0 सर्वपल्ली राधा कृष्णन जब तक वाईस चांसलर रहे, उन्हें कभी भी वेतन अपना नहीं लिया और निरन्तर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने का कार्य करते रहें, आज जनपद सोनभद्र की शिक्षा व्यवस्था में बेहतर सुधार आया है और जनपद के होनहार छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर जनपद का नाम रौशन कर रहे हैं।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनलः सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, साउथ जोन बनाम नॉर्थ जोन मैच में देरी

नयी दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले

आज से शुरू हो गए। पहला सेमीफाइनल नॉर्थ जोन और साउथ जोन के बीच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-ए पर खेला जा रहा है। नॉर्थ जोन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। दूसरा सेमीफाइनल सेंट्रल जोन और वेस्ट जोन के बीच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-बी पर खेला रहा रहा है। वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया है। दलीप ट्रॉफी 2025 के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए थे। हालांकि, पहली पारी में बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन सेमीफाइनल में पहुंचे थे। 1. नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन- साउथ जोन पहले बैटिंग कर रहा पहले सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से हो रहा है। नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन के बीच क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ था। हालांकि नॉर्थ जोन पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंचा था। आज साउथ जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन टॉस जीतकर पहले बॉलिंग कर रहा है। 2. सेंट्रल जोन बनाम वेस्ट जोन- वेस्ट जोन ने टॉस जीता दूसरा सेमीफाइनल सेंट्रल जोन और वेस्ट जोन के बीच खेला जा रहा है। वेस्ट जोन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। रजत पाटीदार की टीम ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्थईस्ट जोन को बाहर कर दिया था। पहली पारी में सेंट्रल जोन के दानिश मालेवार ने दोहरा शतक (203) लगाया था।वेस्ट जोनः शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे, अर्जन नागवासवाला। सेंट्रल जोनः-रजत पाटीदार (कप्तान), आयुष पांडे, दीपक चाहर, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, खलील अहमद, सारांश जैन, उपेंद्र यादव, शुभम शर्मा, यश राठौड़, यश ठाकुर। साउथ जोनः- मोहम्मद अजहरुद्दीन (कप्तान), तन्मय अग्रवाल, नारायण जगदीसन, रिकी भुई, तनय त्यागराजन, वासुकी कौशिक, गुरजापनीत सिंह, देवदत्त पडिक्कल, निधिश एमडी, मोहित काले, सलमान निजार। नॉर्थ जोनः- अंकित कुमार (कप्तान), शुभम खजूरिया, आयुष बदोनी, यश ढुल, निशांत सिंधु, कन्हैया वधावन, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, औकिब नबी, युद्धवीर सिंह चरक, अंशुल कंबोज।

हॉकी एशिया कप के सुपर-4 में भारत-कोरिया मैच ड्रॉः स्कोर 2-2 से बराबर रहा; भारत से हार्दिक-मनदीप ने गोल दागे

नई दिल्ली। हॉकी एशिया कप के सुपर-4 में भारत और साउथ कोरिया के बीच मैच ड्रॉ हो गया। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बुधवार को स्कोर 2-2 से बराबर रहा। तीसरे क्वार्टर तक 2-1 से पिछड़ने के बाद भारत को मनदीप सिंह ने 52वें मिनट में गोल कर बराबरी दिलाई। हार्दिक सिंह ने 8वें मिनट में भारत के लिए पहला गोल किया था। कोरिया के लिए 12वें मिनट में यांग जिहुन और 14वें मिनट में किम ह्योन्होंग ने गोल दागे। भारत का अगला मैच मलेशिया से गुरुवार को होगा। वहीं साउथ कोरिया का मुकाबला चीन से होगा। मलेशिया ने सुपर-4 में चीन को हराकर अपना पहला मैच जीत लिया है।दोनों टीमों की स्टार्टिंग-11- भारतः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), कृष्ण बहादुर पाठक (गोलकीपर), संजय, अमित रोहिदास, सुमित, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, रजिंदर सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह सब्स्टिट्यूट्सः जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजकुमार पाल, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, सूरज करकेरा (गोलकीपर)। कोरियाः ली जुंगजुन (कप्तान), यांग जिहुन, पार्क चोलीओन, रिम जिनकांग, जोंगसुक, सीयोंग, सिम जायवोन, बैक सुंगह्यून, सोंग मिन, किम जैहन, ली ह्यसूंग। सब्स्टिट्यूट्सः जांग दीहान, सोन डायन, जिन जियोन्ह्यो, किम ह्योन्होंग, ली स्युंगवु, चेओ मिन सु,

कॉन्ना यून्हू।दूसरे और तीसरे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। चौथे क्वार्टर में भारत ने अटैक किया और 52वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर लाइन के साथ मैच खत्म हुआ और दोनों टीमों को सुपर-4 में 1-1 पॉइंट मिल गया।चौथे क्वार्टर में मनदीप सिंह ने फील्ड गोल दागकर भारत को बराबरी दिला दी। क्वार्टर के 8वें मिनट में सुखजीत ने कोरिया के सर्कल में मंदीप को पास दिया। मनदीप ने इसे गोल में कन्वर्ट किया और मैच के 52वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।तीसरे क्वार्टर में भी टीम इंडिया ने बेहद अटैकिंग गेम खेला। भारतीय प्लेयर्स कई बार कोरिया के गोलपोस्ट के करीब पहुंचे, लेकिन गोल नहीं मार सके। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन हरमनप्रीत सिंह इसे गोल में कन्वर्ट नहीं कर सके।मैच के 41वें मिनट में सुखजीत ने मौका गंवा दिया। मनप्रीत ने शानदार पास देकर गेंद सर्कल में पहुंचाई। सुखजीत का सामना सिर्फ गोलकीपर से था और गोल करने का बढ़िया मौका था, लेकिन उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट के बाहर मार दिया।भारत का एक और मूव कामयाब नहीं हो पाया। राजिंदर सिंह ने पेनल्टी स्पॉट के पास सर्कल में अभिषेक को पास दिया, लेकिन वह शॉट नहीं ले पाए।दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने लगातार अटैक किया, लेकिन गोल का चांस नहीं बना। 21वें मिनट में भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह जरूर ग्रीन कार्ड लेकर 2 मिनट के लिए बाहर चले गए। दोनों ही टीमें इस क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर का मौका भी नहीं बना सकीं।दूसरे क्वार्टर में भारत ने अच्छी शुरुआत की। टीम ने मिडफील्ड से कई मौके बनाए लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर सके।कोरिया के खिलाफ पहले क्वार्टर में 7 मिनट तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। 8वें मिनट में हार्दिक सिंह ने फील्ड गोल किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। कोरिया ने फिर 12वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक और 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया और 2-1 की बढ़त बना ली।साउथ कोरिया ने पहले क्वार्टर के 3 मिनट में 2 गोल दागे और भारत पर 2-1 की बढ़त बना ली। 14वें मिनट में किम ह्योन्होंग ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। 12वें मिनट में टीम से यांग जिहुन ने पेनल्टी स्ट्रोक पर भी गोल दागा था।पहले क्वार्टर में साउथ कोरिया ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल मारकर बराबरी कर ली। 12वें मिनट में जुगराज की गलती के कारण भारत पर पेनल्टी लगी। कोरिया से यांग जिहुन स्ट्रोक लेने आए, उन्होंने राइट कॉर्नर की ओर गोल दागा और स्कोर 1-1 कर दिया।पहले क्वार्टर के 8वें मिनट में भारत ने पहला गोल कर अपना खाता खोल लिया। कोरिया टीम का प्लेयर बारिश में फिसलने के कारण बॉल पर कंट्रोल नहीं कर सका। भारत के सुखजीत ने बॉल छीनी और हार्दिक सिंह को पास दे दिया। हार्दिक ने गोलपोस्ट के करीब जाकर मौका बनाया और फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।मैच के दूसरे मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि ड्रैग फ्लिकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह गोल नहीं कर सके।बारिश के बाद मैच शुरू हो गया है। भारत ने शुरुआत से ही गेंद अपने पास रखी है। पहले दस सेकेंड में अमित और हरमन आपस में पास खेल रहे हैं।राजगीर स्टेडियम में बारिश रुक गई है। मैच रात 8:20 बजे से शुरू होगा। मैदान पर अभी भी कुछ जगहें सामान्य से ज्यादा गीली दिख रही हैं। ग्राउंड स्टाफ मैदान साफ करने में लगे हुए हैं।बारिश अब थोड़ी कम हो गई है, लेकिन मैदान पर अभी भी पानी भरा हुआ है। इसे ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा। टीमें धीरे-धीरे ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलकर मैदान में वापस आ रही हैं। हेड कोच फुल्टन भी बाहर आए और सीधे भारत के डगआउट की ओर गए।भारत और कोरिया की टीमें खेल शुरू करने के लिए मैदान पर आ चुकी थीं, लेकिन तेज बारिश के कारण मैच शुरू नहीं हो पाया। बारिश की वजह से मैदान पर पानी भर गया है।

यूएस ओपन- युकी भांबरी मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में,पहली बार ग्रैंड स्लैम के टॉप-4 में; 2015 में पेस-सानिया ने मिक्स्ड डबल्स जीता था

नयी दिल्ली। भारतीय टेनिस स्टार युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस ने यूएस ओपन 2025 में

शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को न्यूयॉर्क के कोर्ट 17 पर खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त निकोला मेक्टिक और राजीव राम की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6, 6-3 से हराया। 33 साल के भांबरी भारत के टॉप डबल्स खिलाड़ी हैं। वे वर्ल्ड डबल्स रैंकिंग में 32वें स्थान पर हैं। वे पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम डबल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले 2024 में यूएस ओपन में वह फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। भांबरी के पास 2015 के बाद यूएस ओपन जीतने वाले पहले भारतीय बनने का मौका है, जब लिएंडर पेस ने मिश्रित युगल और सानिया मिर्जा ने महिला युगल का खिताब जीता था। वहीं, विमेंस सिंगल्स में आठवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने इगा स्वियाटेक को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। प्री क्वार्टर फाइनल में केविन क्राविएटज और टिम पुटज को हराया युकी ने अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने और वीनस ने प्री क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी केविन क्राविएटज और टिम पुटज को केवल 1 घंटे 23 मिनट में 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया था। जियोहॉटस्टार से बातचीत में युकी ने यूएस ओपन में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा,'हमारे देश में टेनिस का एक समृद्ध इतिहास रहा है, जिसमें विजय अमृतराज, रमेश कृष्णन, लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना जैसे दिग्गज शामिल हैं। सबसे बड़ा दबाव अक्सर अपने भीतर से आता है, क्योंकि मैं हमेशा कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है।' वहीं विमेंस सिंगल्स में अमेरिका की आठवीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ ही अनिसिमोवा ने विंबलडन फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। जुलाई में विंबलडन फाइनल में स्वियातेक ने उन्हें 6-0, 6-0 से पराजित किया था। 24 वर्षीय अनिसिमोवा अब गुरुवार को सेमीफाइनल में दो बार की यूएस ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका या चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी।

90फ़ीसदी टूथपेस्ट में मिला खतरनाक लेड मेटल, लेड पॉइजनिंग से हर साल होती 15 लाख मौतें

नई दिल्ली। हम अपने दांतों को मजबूत और चमकदार बनाए रखने

के लिए हर रोज टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन टूथपेस्ट में कुछ ऐसे खतरनाक इंग्रीडिएंट्स हो सकते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी सेफ नहीं हैं। हाल ही में अमेरिकी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन 'लेड सेफ मम्मा' ने 51 टूथपेस्ट और टूथ पाउडर ब्रांड के सैंपल की जांच रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सहित दुनियाभर में बिक रहे कई प्रमुख टूथपेस्ट ब्रांड में लेड, आर्सेनिक, मर्करी और कैडमियम जैसे हैवी मेटल्स पाए गए। इनमें से करीब 90प्रतिशत टूथपेस्ट में लेड की मात्रा थी, जबकि अधिकांश में एक से ज्यादा हैवी मेटल्स थे। हैरानी की बात तो ये है कि इनमें बच्चों के टूथपेस्ट और 'ग्रीन' यानी नेचुरल टूथपेस्ट भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये हैवी मेटल्स सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया में लेड पॉइजनिंग की वजह से 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं यूनिसेफ की 'टॉक्सिक टूथ' नामक एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया का हर तीसरा बच्चा लेड पॉइजनिंग से पीड़ित है।लेड हमारी सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है, इसके खतरे से कैसे बचा जा सकता है, सही टूथपेस्ट का चुनाव कैसे करें, लेड एक टॉक्सिक मेटल है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसका इस्तेमाल पेंट, बैटरी, कॉस्मेटिक, खिलौने और कंस्ट्रक्शन मटेरियल में किया जाता है। लेड के संपर्क में आने से सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों के ब्रेन को होता है। यह उनकी सीखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर बुरा असर डालता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक, लेड के संपर्क से बच्चों का आईक्यू लेवल 4-5 पॉइंट्स तक घट सकता है। इसके अलावा लेड हमारी हड्डियों, दांतों, किडनी, लिवर और हार्ट को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। सबसे खराब बात ये है कि लेड धीरे-धीरे शरीर में जमा होता रहता है और पता इसका पता तब चलता है, जब शरीर किसी गंभीर बीमारी के चपेट में आ जाता है। यह एक ऐसा जहर है, जिसकी थोड़ी सी भी मात्रा नुकसानदायक है। लेड पॉइजनिंग तब होती है, जब शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा जमा हो जाती है।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतः सब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे।

ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक सुपरफूड की तरह हैं। इनमें की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके

कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ताः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

टिफिन पैकिंग के 10 टिप्स

नई दिल्ली। गर्मियों में टिफिन में रखे खाने को फ्रेश और सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। सुबह घर से तैयार किया गया खाना दोपहर तक खराब हो सकता है, खासकर जब

तापमान 40 डिग्री के आसपास पहुंच जाए। ये समस्या वर्किंग प्रोफेशनल्स से लेकर स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स तक सभी के लिए आम है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है, ताकि न तो स्वाद खराब हो और न ही सेहत पर असर पड़े।टिफिन में खाना देर तक कैसे फ्रेश रख सकते हैं? खाना पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? गर्मियों में तापमान बढ़ने और हवा में नमी अधिक होने से बैक्टीरिया और फफूंदी (फंगस) को पनपने का अनुकूल माहौल मिल जाता है। तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर सूक्ष्म जीव तेजी से बढ़ने लगते हैं, जिससे खाना जल्दी सड़ने लगता है। खाने में अजीब गंध आना, स्वाद बदल जाना या उसका चिपचिपा हो जाना इसके मुख्य लक्षण हैं। गर्मी में वे फूड आइटम्स जल्दी खराब होते हैं, जिनमें नमी ज्यादा होती है। जैसे दाल, सब्जी, चावल या दही। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, अगर पका हुआ खाना दो घंटे से ज्यादा समय तक गर्म और खुली जगह में रखा रहे, तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया विकसित होने लगते हैं। गर्मियों में जब तापमान 40डिग्री के करीब पहुंचता है, तब सुबह 8 बजे तैयार किया गया टिफिन दोपहर 1 बजे तक खराब होने की स्थिति में आ सकता है। खासतौर पर अगर गर्म खाना बंद डिब्बे में पैक किया गया हो, नमी ज्यादा हो या टिफिन सही से साफ न किया गया हो।आमतौर पर ऑफिस या स्कूल में टिफिन को फ्रिज में रखने की सुविधा नहीं होती और बैग में घंटों तक गर्मी में रखा टिफिन उस 'डेंजर जोन' में पहुंच जाता है, जिसमें फूड पॉइजनिंग वाले बैक्टीरिया सबसे तेजी से बढ़ते हैं।टिफिन में हल्का, सूखा और जल्दी न खराब होने वाला खाना रखना चाहिए। जैसे थेपला, सूखी सब्जी या इडली। गरम खाना सीधा बंद टिफिन में न डालें। उसे थोड़ा ठंडा करके रखें, ताकि भाप से नमी न बने। अगर आप दही, कटे फल या सलाद पैक कर रहे हैं तो उन्हें अलग एयरटाइट डिब्बे में रखें और कोशिश करें कि टिफिन बैग में एक छोटा आइस पैक भी हो। साथ ही इंसुलेटेड टिफिन गर्मियों में बहुत मददगार होते हैं। ये तापमान को देर तक कंट्रोल में रखते हैं और खाना जल्दी खराब नहीं होता है।गर्मियों में रात का बचा हुआ खाना अगले दिन टिफिन में पैक करना रिस्की हो सकता है। अगर ऐसा खाना टिफिन में रखना ही है तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।रात का खाना पकने के 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख देना चाहिए। अगर वह देर तक बाहर कमरे के तापमान पर रखा रहा, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।सुबह उस खाने को अच्छी तरह गर्म करना जरूरी है, ताकि बैक्टीरिया मर जाएं। लेकिन बहुत गरम खाना सीधे टिफिन में न भरें। थोड़ा ठंडा करके ही पैक करें।ये चीजें जल्दी खराब होती हैं, इसलिए इन्हें टालें। इनकी बजाय सूखी सब्जी, इडली, थेपला या पराठा जैसे ऑप्शन ज्यादा सुरक्षित होते हैं।अगर सुबह उठते ही खाने से हल्की बदबू आ रही हो, चिपचिपा लगे या रंग थोड़ा बदला हुआ लगे, तो ऐसा खाना टिफिन में न दें। चाहे वह फ्रिज में ही रखा क्यों न हो। डॉ. अमृता मिश्रा बताती हैं कि कुछ घरेलू और नेचुरल प्रिजर्वेटिव खाने को ज्यादा देर तक फ्रेश और सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं। ये नेचुरल प्रिजर्वेटिव न केवल बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा करते हैं, बल्कि खाने के स्वाद और खुशबू को भी बनाए रखते हैं।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत,दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था- म्वेजो। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटरमिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात कैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'एंटीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं।, धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं।, निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अक्सर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए इसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, 'तुझको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं?' यह शायद कैजुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट 'चिलीज़' (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज़ बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटेगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, 'कॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथ'।' यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, 'क्वार्टर पाउंडर से 85प्रतिशत ज्यादा बड़ी पैटी, चीज़ के साथ, सिर्फ डॉ10.99 में।' इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था।पिछले सितंबर, चिलीज़ का एक लाइन का विज्ञापन काफ़ी चर्चा में रहा, 'हमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।' इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज़ रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री

15प्रतिशत बढ़ गई। चिलीज़ की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज़ ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज़ ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।चिलीज़ अपने कर्मचारियों को 'चिली हेड्स' कहता है। उनका मोटो है, 'अपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।' मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी 'चिलीज़ क्लब' के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज़ का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैजुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं।कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, 'मैं खाने के लिए दौड़ता हूं।' हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3प्रतिशत घटेगी। यही फर्म मानती है कि चिलीज़ के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26प्रतिशत बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें।फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

सिंधु जल समझौते के पांच जरूरी पहलुओं को समझें

भारत द्वारा सिंधु जल समझौते पर रोक को पाकिस्तान ने युद्ध की शुरुआत माना है। इस पर पाकिस्तान के कानून मंत्री अकील मलिक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों में चार तरह से मामले को उठाने का प्रयास कर रहे हैं- अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, वियना संधि 1969 के उल्लंघन पर हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद।सिंधु घाटी सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर को नकारने वाला पाकिस्तान संधि के दुरुपयोग से सिंधु और अन्य नदियों के पानी का बेशर्मी से इस्तेमाल करता आ रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के तार पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से जुड़े हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष बहुत मजबूत है।जल मंत्रालय की संसदीय समिति की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार भारत सिंधु समझौते से एकतरफा तौर पर अलग नहीं हो सकता (अध्याय 11, परिच्छेद 11.2) पाकिस्तान इस रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय मंचों में दुरुपयोग नहीं करे, इस बारे में सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी समझौतों से जुड़े मामलों के लिए इन 5 पहलुओं पर बेहतर समझ बनाने की जरूरत है1. चीन : चीन, पाकिस्तान और भूटान के साथ हुई संधियों के तहत भारत में 20 हजार मेगावॉट के पॉवर प्रोजेक्ट्स की सम्भावना है। संसदीय समिति के अनुसार भारत में सिर्फ 3482 मेगावॉट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हुआ है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है, जहां पर चीन ने साम्राज्यवादी तरीके से कब्जा कर रखा है।वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट भी बना रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों में पाकिस्तान का अनैतिक समर्थन करने के कारण चीन को भी सच का आईना दिखाने की जरूरत है।2. संविधान : संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत अंतरराज्यीय नदियों और पड़ोसी राज्यों के साथ

संधि के विषय केंद्र के अधीन हैं। लेकिन नदी और पानी का मामला राज्य सरकारों के अधीन आता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में नदियों को जोड़ने (आईएलआर) वाले फैसले में केंद्र को निर्देश दिया था। पानी को संविधान की समवर्ती सूची में लाने के लिए आईएलआर समिति के सामने मैंने विस्तृत नोट दिया था, लेकिन उसके अनुसार संविधान संशोधन नहीं हुआ है।3. जल संकट : पंजाब ने भाखड़ा बांध से जाने वाले 5 हजार क्यूसेक पानी की आपूर्ति को रोक दिया है, जिसकी वजह से हरियाणा में जल संकट बढ़ गया है। सिंधु समझौते में पूर्वी क्षेत्र की 3 नदियों सतलज, व्यास और रावी नदी पर सम्पूर्ण अधिकार होने के बावजूद पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं होने पर संसदीय समिति ने 2021 की रिपोर्ट में रोष व्यक्त किया था।पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से कृषि और जल ऊर्जा के साथ भारत 36 लाख एकड़ फीट पानी के भंडारण का ढांचा बना सकता है। इन तीन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय भारत में सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्यों में खेती के नुकसान पर समिति ने चिंता जताई थी।4. बाढ़ : राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 1953 से 2018 के बीच बाढ़ से 4 करोड़ हेक्टेयर खेतिहर भूमि, 4 लाख करोड़ की संपदा के नुकसान के साथ 1 लाख इंसानों और 6 लाख जानवरों की जान गई है। पूरे देश में आपदा लाने वाली बाढ़ के विषय का केंद्र, राज्य या समवर्ती सूची कहीं भी आवंटन नहीं हुआ है। ड्रेनेज और तटबंधों का विषय राज्यों के अधीन है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें सीमित कार्रवाई कर रही हैं। संसदीय समिति की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद अभी तक संसद से बांध सुरक्षा बिल और रिवर बेसिन मैनेजमेंट बिल पारित नहीं हुआ है।5. बांग्लादेश : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश जा रहे पानी को रोकने की मांग की है। जनता पार्टी सरकार में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और फिर प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने गंगा जल बंटवारे की संधि पर बांग्लादेश के साथ जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु संधि के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार और बांग्लादेश के साथ जल संधि का ममता बनर्जी सरकार विरोध कर रही हैं।ममता के अनुसार बांग्लादेश के साथ गंगा, तीस्ता और फरक्का बांध संधियों में भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल की सहमति नहीं ली। 30 साल की संधि दिसम्बर 2026 में खत्म हो रही है। कोलकाता बंदरगाह में पानी की गहराई और पश्चिम बंगाल में जल संकट से निपटने के लिए संधि के नवीनीकरण में सरकार को बांग्लादेश के साथ सख्त रवैया अपनाना होगा।सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से भारत 36 लाख एकड़ फीट भंडारण का ढांचा बना सकता है। लेकिन इन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

नाम कमाने का सबसे जांचा-परखा तरीका क्या है?

आपका जवाब क्या होगा, यदि कोई पूछे कि रोमानिया में हाल ही संपन्न चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का खिताब पाने के बाद आप खुद को कितने अंक देंगी? यदि आप केवल 18 साल की हैं, तो आपका संभावित जवाब 100 में से 100 अंक होगा। लेकिन 200, 400, 800 और 1500 मीटर दौड़ के अलावा महिलाओं की 4200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में जीत कर रिकॉर्ड बनाने वाली यांग पेईकी (18) ने इसके दो जवाब दिए। 'मेरे पास दो जवाब हैं : पहला, मैं खुद को 99 अंक दूंगी। एक अंक मैंने खुद को यह याद दिलाने के लिए छोड़ा कि ज्यादा घमंड नहीं करना चाहिए। दूसरा जवाब दिया कि मैं खुद को 80 अंक दूंगी। क्योंकि मुझे लगता है कि अभी भी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां मैं सुधार कर सकती हूं।' जब उन्होंने दमकती मुस्कान के साथ यह कहा तो उनकी परिपक्वता देख स्टेडियम में अधिकतर लोगों की आंखें गर्व से भर गईं। यांग ने सिंगापुर में हुई विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया, जहां वे सबसे ज्यादा उम्र की प्रतियोगियों में से थीं। जबकि 18 वर्ष की होने से ठीक पहले उन्होंने जूनियर प्रतियोगिता में भाग लिया था, जहां उन्होंने कहा कि 'मैं यहां सबसे बड़ी हूं।' अकेली रोमानिया की प्रतिस्पर्धा में उन्होंने सात पदक जीते, जिसने उन्हें चीनी तैराकी की विलक्षण प्रतिभा बना दिया। वर्ल्ड एक्वाटिक्स ने 'अनस्टॉपेबल' बता कर उनकी तारीफ की। पूल में दबदबा, हर प्रतियोगिता जीतने और अपनी शारीरिक क्षमता में भरोसा रखने के बावजूद यांग तब बहुत रिजर्व हो जाती हैं, जब कैमरे के सामने होती हैं या संवाददाता उनसे सवाल करते हैं। कभी-कभार मजाक कर उन्हें चौंका भी देती हैं, लेकिन कभी घमंड नहीं दिखातीं। यांग ने रोमानिया में जूनियर्स प्रतियोगिता में जूनियरों को खूब प्रोत्साहित भी किया। उनका यह आचरण टीम के साथियों के मन में पहले ही घर कर चुका है। रोमानिया में तीन पदक जीतने वाली 15 साल की यान तियाओशान ने खुद को प्रोत्साहित करने का श्रेय यांग को दिया। वास्तव में, यांग ने ही उन्हें ऐसी प्रतियोगिताओं में जीतने की रणनीति सिखाई। तियाओशान कहती हैं कि '400 मीटर फ्रीस्टाइल में मैं यांग की बगल वाली लेन में थी। हालांकि, उनकी गति के आगे मैं पराजित थी, फिर भी मैंने उनके साथ बने रहने की कोशिश की। 300 मीटर तक ऐसा कर सकी। लेकिन आखिरी 100 मीटर में उन्होंने रफ्तार बढ़ा दी, जबकि बाकी लोग अपनी लय में ही दौड़ते रहे। और वे आगे निकलकर स्वर्ण जीत गईं।' तियाओशान ने उस प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीता। यांग के पास जीत का एक और गुप्त मंत्र है। उनका हमेशा एक आदर्श होता है, जिसे वो फॉलो करती हैं। वह शख्सियत भी शीर्ष पर है। वह हैं अमेरिकी स्टार केटी लेडेकी- एक अमेरिकी तैराक, जिन्हें सर्वकालिक महान महिला तैराक माना जाता है। वह खासतौर से 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट्स में अपनी हैरतअंगेज प्रबलता के लिए प्रख्यात हैं। वे इतिहास की सर्वाधिक अलंकृत महिला ओ?लंपियन हैं, जिनके पास 14 पदक हैं। इनमें 9 स्वर्ण हैं और कई विश्व और अमेरिकी रिकॉर्ड उनके नाम हैं। यांग कहती हैं कि 'यकीनन, मैंने केटी को हराने की कल्पना की, लेकिन इसके लिए दिन-रात कड़े प्रशिक्षण की जरूरत है। यांग प्रति सेशन में आठ किलोमीटर और हल्के-फुल्के दिनों में कम से कम छह किमी का गहन प्रशिक्षण करती हैं। केटी ने 15 साल की उम्र में 2012 के लंदन ओलंपिक से तैराकी में कदम रखा। कई प्रतिस्पर्धाओं में स्वर्ण जीता। वे पहली महिला बनीं, जिन्होंने एक ही व्यक्तिगत ओलंपिक प्रतिस्पर्धा को चार बार जीता। इसी प्रकार, यांग भी 2028 के लॉस एंजेलेस ओलंपिक में अपनी उपलब्धियों की शुरुआत करना चाहती हैं। मुख्य बात याद रखें- बड़े लक्ष्य तय करना और उन्हें पाने के लिए जुट जाना, यही हर सफल व्यक्ति के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट होता है। फंडा यह है कि यदि आप 18 की उम्र में दुनिया भर में नाम कमाना चाहते हैं तो जिद के साथ कड़ी मेहनत, बिना अहंकार के शारीरिक सहनशक्ति को बढ़ाने की क्षमता और बोरियत के बिना अभ्यास का अनुशासन बेहद आजमाए हुए कदम हैं। यही सफलता का सबसे जांचा-परखा तरीका है। एन. रघुरामन

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उनके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर-संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं।हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।

गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।

लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।

साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

बीजेपी को जिताने आरएसएस ने बिहार भेजे 10 हजार स्वयंसेवक,हर गांव में 10 लोगों की टीम एक्टिव

'आरएसएस के स्वयंसेवक की एक टीम घर-घर जाकर वोटर्स की लिस्ट तैयार कर चुकी हैं। अब दूसरी टीम ने अपना काम शुरू किया है। ये टीमें उन वोटर्स को मना रही हैं, जिसके मन में बीजेपी या एनडीए के लिए थोड़ी भी दुविधा है। मतलब, हम कन्फ्यूज वोटर को बिहार के लिए सही पार्टी चुनने में मदद कर रहे हैं।' सही पार्टी मतलब? प्रांत प्रचारक कहते हैं, 'ऐसी पार्टी, जो राज्य और लोगों का विकास कर सके। पार्टी का नाम हम कभी नहीं लेते।' इसी बात को प्रांत स्तर के एक और प्रचारक आगे बढ़ाते हैं। वे कहते हैं, 'घर-घर जाकर लोगों की कैटेगरी के हिसाब से लिस्ट बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। ये लिस्ट तीन हिस्सों में है। 1. बीजेपी के पक्के वोटर 2. कन्फ्यूज वोटर 3. रूठे वोटर यानी आपका काम खत्म हुआ? प्रचारक जवाब देते हैं, 'नहीं, काम तो अब शुरू हुआ है। आरएसएस की दूसरी टीमों ने लिस्ट के मुताबिक लोगों से फिर संपर्क करना शुरू किया है। ये टीमें वोटर्स को मुद्दे, उनके फायदे-नुकसान के बारे में बताएंगी।' 'किस पार्टी ने क्या वादा किया था, कितना पूरा किया, किस पार्टी ने बिहार को जंगलराज बनाया और किसने अच्छा काम किया। इन टीमों का काम कन्फ्यूज वोटर्स के दिमाग में क्लेरिटी लाना है। एक-सवा महीने बाद फिर लिस्ट को रिव्यू किया जाएगा।' 'रूठे वोटर्स को गुस्सा निकालने का मौका दे रहे'- हम जमीन पर काम कर रहे स्वयंसेवकों से भी मिले। इनमें से एक कहते हैं, 'आरएसएस ने एक प्रयोग हरियाणा में किया था। एनडीए या बीजेपी के नाराज वोटर्स को मनाने के लिए कुछ वरिष्ठ स्वयंसेवकों की टीमें बनाई थीं। इनका काम लोगों की शिकायतें सुनना था। वे उनसे मिलते, उनकी बातें सुनते थे। उन्हें गुस्सा उतारने देते थे। यही काम बिहार में भी कर रहे हैं।' 'इस टीम का काम ही वोटर्स का गुस्सा झेलना है, जैसे परिवार के नाराज सदस्य की शिकायत सुनी जाती है। शिकायतों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। ये लिस्ट टीम अपनी लीडरशिप को दे रही हैं।' 'इस लिस्ट पर गंभीरता से विचार हो रहा है। इसे दो हिस्से में बांटा है। जो काम दो महीनों के अंदर हो सकते हैं, उन्हें करवाने की कोशिश हो रही है। जिन शिकायतों को दूर करने में ज्यादा वक्त लगना है, उसके लिए भरोसा दे रहे हैं, उनकी शिकायत चुनाव के फौरन बाद दूर की जाएगी।' किस तरह की शिकायतें हैं, जिन पर तुरंत काम करवा रहे हैं? जवाब मिला, 'जैसे किसी गांव में सड़क खराब है, उसे ठीक करवा देना या फिर पक्की सड़क बनवा देना। किसी को पीएम आवास योजना के तहत घर नहीं मिला, तो उसकी प्रोसेस शुरू करवा देना, राशन कार्ड बनवा देना। ये सारे काम लिस्ट में हैं। कोशिश होगी ये सभी चुनाव से पहले करवा दें।' महिला वोटर्स पर फोकस, उनके लिए अलग से स्ट्रैटजी बनी आरएसएस के एक सोर्स बताते हैं, 'बिहार में महिला वोटर निर्णायक हैं। उनके लिए अलग से रणनीति बनी है। आरएसएस से जुड़े महिला संगठन ये काम कर रहे हैं। उनकी टीमें अलग-अलग उम्र की महिलाओं से मिल रही हैं। घरेलू और पेशेवर महिलाओं के लिए अलग टीमें हैं।' वे आगे कहते हैं, 'आरएसएस एक सर्वे भी कर चुका है। कैटेगरी के

साथ महिलाओं की लिस्ट तैयार है। अब उनके साथ टीमें बैठक कर रही हैं। महिलाओं से पूछा जा रहा है कि उनकी सीट पर कौन सा नेता बेहतर है। उन्हें कैसे नेता और सरकार चाहिए।' 'महिलाएं घर से लेकर बाहर तक हर चीज से प्रभावित होती हैं। घर का राशन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कों का माहौल, इनसे जुड़े ऐसे कुछ सवाल महिलाओं से पूछे जा रहे हैं। फिर उनके जवाब पर डिस्कशन किया जा रहा है। इससे कोई एक चेहरा या फिर उनकी पसंद की सरकार की इमेज निकल कर सामने आए। ये एक्सरसाइज टिकट के लिए कैंडिडेट चुनने में काम आएगी।' सोर्स बताते हैं, 'बिहार में एनडीए में किसे कितनी सीटें मिलेंगी, ये तय होना है। 100 सीटों पर कैंडिडेट की लिस्ट हमें तैयार करनी है। इस पर पार्टी और आरएसएस मंथन करने के बाद फैसला लेगा।' क्या लिस्ट में हर सीट से एक कैंडिडेट होगा? जवाब मिला, 'नहीं, हर सीट पर तीन कैंडिडेट के नाम देंगे। हर कैंडिडेट की छवि, मजबूत और कमजोर पक्ष डिटेल में देंगे। जिस सीट पर मौजूदा विधायक कमजोर हैं, वहां नए चेहरे की तलाश करेंगे। विधायक का रिपोर्ट कार्ड भी देंगे।' सोर्स बताते हैं, 'प्रधानमंत्री की रैली से लेकर स्टार प्रचारकों की रैलियों में आरएसएस की भूमिका होगी। कौन सा प्रचारक कहां वोटर्स को अपील करेगा, इसे ध्यान में रखते हुए आरएसएस रैलियों और बैठकों का प्लान बना रहा है।' आरएसएस के एक प्रांत प्रचारक बताते हैं, 'बिहार में आरएसएस की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां आरएसएस की शुरुआत यानी 1925 से ही शाखाएं चल रही हैं। मार्च 2025 में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत बिहार आए थे। यहां उन्होंने स्वयंसेवकों से बात की और मिशन त्रिशूल शुरू करने का ऐलान किया। यह रणनीति तीन पॉइंट पर आधारित है- राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास।'दिल्ली के विधानसभा चुनाव में आरएसएस ने अलग-अलग सीटों पर 50 हजार से ज्यादा बैठकें की थीं। इनके जरिए वोटर्स को बीजेपी के पक्ष में एकजुट किया गया। बिहार में भी इसी तरह काम हो रहा है। मुजफ्फरपुर के आरएसएस के शाखा प्रमुख बताते हैं, हमारे 5 हजार स्थानीय स्वयंसेवक हैं। बाहर से करीब 500 स्वयंसेवक सिर्फ मुजफ्फरपुर आए हैं। वे गांव-गांव घूम रहे हैं।' हर गांव में 10 से 15 लोगों की टीम, ब्लॉक में हर हफ्ते 100

मीटिंग ग्राउंड पर काम के तरीके पर एक स्वयंसेवक बताते हैं, 'हम रोज 5-10 घरों में जाते हैं। लोगों से राम मंदिर, विकास की योजनाएं, जातिवाद के खिलाफ और आरएसएस की रणनीति पर बात करते हैं। हर गांव में 10 से 15 स्वयंसेवकों की टीम डोर-टु-डोर कैंपेन करती है।' 'हम राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा, पाकिस्तान, हिंदुत्व, राम मंदिर, गौ-रक्षा और विकास के साथ-साथ PM किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के फायदे बताते हैं। हम ऐसे परिवार चुनते है जो हिंदू हैं, लेकिन बीजेपी के वोटर नहीं हैं। या बीजेपी के वोटर रहे हैं, लेकिन किसी वजह से नाराज हैं। अभी एक ब्लॉक में हर हफ्ते 100 बैठकें कर रहे हैं।' मुस्लिम आबादी वाले एरिया में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर फोकस आरएसएस की टीमें मुद्दों के आधार पर इलाके चुन रही है। पूर्वी बिहार और सीमांचल के कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर फोकस है। इन जिलों में मुस्लिम आबादी ज्यादा है। यहां स्वयंसेवक राम मंदिर का जिक्र करते हैं और कहते हैं, मोदी जी ने 500 साल का सपना पूरा किया है। पश्चिमी बिहार और मगध में किसानों के मुद्दे और उनसे जुड़ी योजनाओं पर बात होती है। ग्रामीण इलाकों में जातिवाद के खिलाफ अपील की जाती है। एक स्वयंसेवक बताते हैं, 'हम चाय की दुकानों, मंदिरों और घरों में जाते हैं। लोगों से बहस नहीं करते, बल्कि उन्हें समझाते हैं। बुजुर्गों से मिलते है। पहले रामायण, फिर विकास की बात करते हैं। हर जिले में प्रभारी हैं, जो इसकी रिपोर्ट नागपुर भेजते हैं।' आरएसएस के विचारक दिलीप देवधर बताते हैं, 'संघ परिवार और बीजेपी मिलकर काम कर रहे हैं। बीजेपी जो काम अकेले कर सकती है, उसे वह करती है, बाकी मोर्चों पर संघ परिवार एक्टिव रहता है। संघ परिवार का काम इवेंट के हिसाब से नहीं होता।'केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल, 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। इस ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस चीफ मोहन भागवत के बीच मुलाकात हुई थी।

आरएसएस के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता कहते हैं, 'बीजेपी, आरएसएस से जातिगत जनगणना के लिए सहमति चाहती थी। आरएसएस इस पर दुविधा में था। बिहार से संगठन के कार्यकर्ताओं से उसी वक्त इनपुट मिला कि बीजेपी की ओबीसी और आरक्षण विरोधी छवि को चुनाव से पहले तोड़ना होगा, नहीं तो इसका असर नतीजों पर दिखेगा।' 'वक्त कम था, इसलिए उसी वक्त जाति जनगणना की घोषणा कर इस छवि को तोड़ने की कोशिश की गई। आरएसएस से इस मुद्दे पर पहले से बात हो रही थी। इनपुट के बाद आरएसएस ने सहमति दे दी क्योंकि 2015 में आरक्षण पर दिए मोहन भागवत के बयान का असर 2020 तक चुनाव में साफ दिखा था।' गृह मंत्रालय ने 16 जून को जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। केंद्र सरकार दो फेज में जनगणना कराएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। 1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी।

मोदी को गाली पर एनडीए का बिहार बंद,12 जिलों में हाईवे जाम,पति-पत्नी से बदसलूकी,टीचर को स्कूल जाने से रोका

इसके बाद से ही बीजेपी लगातार प्रदर्शन कर रही है।दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के लिए बनाए गए स्वागत मंच से पीएम मोदी की मां को गाली दी गई। पुलिस ने गाली देने वाले मोहम्मद रिजवी 28 अगस्त की रात गिरफ्तार कर लिया था।

वो पंक्चर की दुकान चलाता है। पीएम मोदी ने मंगलवार (2 सितंबर) को जीविका दीदियों के कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, 'मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-नहीं है। वो इस दुनिया में भी नहीं हैं। फिर भी उन्हें कांग्रेस-आरजेडी के मंच से गाली दी गई। इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में भी है। मैं आपसे अपना दुख साझा कर रहा हूं, ताकि मैं इस पीड़ा को झेल पाऊं।'समस्तीपुर शहर के हॉस्पिटल गोलंबर के पास भाजपा समेत एनडीए घटक दल के लोगों ने सड़क पर नारेबाजी की और इस दौरान लोगों से अपनी-अपनी दुकान बंद रखने का आह्वान किया गया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रोफेसर विजय शर्मा जदयू की पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी शामिल हुईं। बिहार बंद के दौरान पटना के डाक बंगला चौराहे पर एक एंबुलेंस जाम में फंस गई। एंबुलेंस में मरीज थे, जो इलाज के लिए बैंक से पैसा निकलाने जा रहे थे। डाक बंगला चौराहा पूरी तरह से जाम होने के कारण गाड़ी को रास्ता नहीं मिला। जिसके बाद परिजन मरीज को गोद में उठाकर लोग बैंक लेकर गए। पटना के डाकबंगला चौराहे पर बीजेपी कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है।बेगूसराय के मंझौल में बंद के दौरान भाजपा-जदयू समर्थकों ने स्केटिंग करते हुए नारेबाजी की।पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने कहा, ये गाली केवल पीएम की मां को नहीं बल्कि हर मां-बहन को दी गई है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।फुलवारी शरीफ में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और जदयू नेता श्याम रजक शहीद भगत सिंह चौक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा, राहुल गांधी के मंच से जिस तरह से गाली दी गई वो देश का अपमान है, क्योंकि पीएम किसी पार्टी के नहीं देश के होते हैं।जहानाबाद में एक शिक्षिका को स्कूल जाने की देर हो रही थी तो उसने बंद का विरोध किया। इस दौरान बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने उसके साथ धक्कामुक्की की। उसे जबरन रोका गया।भागलपुर के शाहकुंड क्षेत्र में बाइक सवार पति पत्नी के साथ बंद समर्थकों ने बदसलूकी की है।बिहार बंद के दौरान गुरुवार को मुजफ्फरपुर-दरभंगा एनएच 27 पर गायघाट थाना क्षेत्र के जारंग हाईस्कूल चौक के पास स्थिति तनावपूर्ण हो गई। यहां भाजपा मंडल पश्चिमी अध्यक्ष राघवेन्द्र कुमार सिंह और भाजपा नेता अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में समर्थकों ने हाईवे जाम कर दिया। इसी बीच मौके पर पहुंची आरएएफ पुलिस ने जाम हटाने की कोशिश की तो बंद समर्थक आक्रोशित हो उठे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। आरएएफ ने बल प्रयोग की चेतावनी दी, जिस पर बंद समर्थक और ज्यादा उत्तेजित हो गए। समर्थकों का कहना था कि किसी भी हालत में जाम नहीं हटेगा। एनएच पर जाम लगने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दर्जनों यात्री गाड़ियों में फंसे रहे। आमलोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। महिलाओं और बच्चों तक को अफरातफरी में दिक्कतें झेलनी पड़ीं। हालात बिगड़ता देख स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। बातचीत के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद आरएएफ की गाड़ी को जाम से निकालकर रवाना किया गया। इसके बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हुई। छपरा-सीवान मेन रोड (एनएच-531) पर करीब 3 घंटे से आवागमन पूरी तरह ठप रहा। एनडीए कार्यकर्ताओं ने राहुल-तेजस्वी के खिलाफ सड़क जाम कर नारेबाजी की।बाद में प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद जाम हटाया गया।कटिहार के मिर्चैबारी मुख्य चौराहा पर बंद को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कटिहार-पूर्णिया मुख्य मार्ग, कटिहार-भागलपुर मुख्य मार्ग पर 5 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लगी है। वैशाली में लोजपा रामविलास के कार्यकर्ताओं ने बीजेपी-जदयू पर आरोप लगाए। उनका कहना है मुजफ्फरपुर में चिराग पासवान की सभा को डैमेज करने के लिए एनडीए के द्वारा बिहार बंद बुलाया गया है। हाजीपुर में लोजपा नेता सुरेंद्र ठाकुर ने कहा, 'लगातार बिहार में चिराग पासवान की लोकप्रियता को देखकर नरेंद्र मोदी घबरा गए हैं। इसी को लेकर उनकी सभा में जाने के लिए कार्यकर्ता को जगह-जगह पर रोक दिया गया है। यह सोची समझी साजिश के तहत बिहार बंद किया गया है।' शिवहर के जीरो माइल चौक को कार्यकर्ताओं ने मुख्य मार्ग जाम कर नारेबाजी की। इसी बीच सड़क से गुजर रहे राहगीरों से कई जगह नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन के दौरान शिवहर सिविल कोर्ट के एक अधिवक्ता और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से खूब तनातनी बढ़ी, हालांकि पुलिसकर्मियों और बीच-बचाव करने वालों के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां का अपमान देश की हर मां का अपमान है, और इसके विरोध में उनकी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।मुंगेर के कुछ इलाकों में दुकानदारों ने दुकान बंद करने से इनकार कर दिया। हालांकि, भाजपा नेत्री हाथ जोड़कर दुकान बंद करने को कहती रहीं, लेकिन लोग नहीं माने।भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'बहुत शर्मनाक मामला है। प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माता को गालियां दी गई हैं। अगर हमारा दूर का कार्यकर्ता भी ऐसा करता तो हम कार्रवाई करते, क्षमा मांगते। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव ये आपके संस्कार हैं, ये आपकी बेशर्मी है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं।' पटना के दानापुर सगुना मोड़ के पास बीजेपी नेता और कार्यकताओं ने सड़क पर आगजनी की और सुगना-खगौल मेन रोड को जाम कर दिया। इस दौरान मां का अपमान नहीं सहेंगे के नारे लगाए गए। बंद को लेकर बेतिया में भी बीजेपी महिला कार्यकर्ता सड़क पर हैं। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सीमा मधुकरिया ने कहा- पीएम की मां का अपमान नहीं सहेंगे, जबतक माफी नहीं मांगी जाती है, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। पटना के डाक बंगला पर कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पोस्टर लेकर विरोध जताया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने पोस्टरों पर चप्पल मारकर अपनी नाराजगी जाहिर की। बिहार बंद को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता गुरुवार को सड़क पर उतर आए। आरा शहर के मठिया मोड़ के पास बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी माफी मांगो' और 'राहुल-तेजस्वी मुर्दाबाद' के नारे लगाए। बीजेपी नेताओं ने चेतावनी दी कि जब तक राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक आंदोलन जारी रहेगाजदयू की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. इसमत जहां ने बताया, 'दरभंगा पूरे शहर में हमलोगों का बंद है। हर चौक चौराहे पर बंद किया गया है। पिछले दिनों राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जब दरभंगा आए थे तो उनलोगों के मंच से प्रधानमंत्री को और उनकी दिवंगत माता को गाली देने का काम किया गया।महिलाओं को यह बर्दाश्त नहीं है। हिंदुस्तान की सभी महिलाएं अपमानित हुई हैं। जिससे हमलोग काफी आहत हैं।' दरभंगा में सड़क पर उतरी बीजेपी महिला कार्यकर्ता ने कहा, 'दरभंगा में पीएम मोदी की मां को लेकर जो हुआ उससे हम आहत हैं। ये सही नहीं है। विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए।' दरभंगा में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने बंद को सफल बनाने के लिए चौक-चौराहों को जाम किया। उन्होंने कहा,'पीएम मोदी को विपक्ष गालियां देता है, अब उनकी मां को गाली दी जा रही है। ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके लिए राहुल और तेजस्वी को माफी मांगनी चाहिए। हालांकि बंद को लेकर पटना समेत सभी जिलों में पुलिस अलर्ट पर है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक जगहों पर पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस मुख्यालय ने सभी एसएसपी, एसपी के अलावा रेल एसपी को चौकस रहने का आदेश दिया है। तोड़फोड़, ट्रेन रोकने वाले या जबरन दुकान बंद कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है। पटना पुलिस का सबसे ज्यादा फोकस डाकबंगला चौराहे पर रहेगा। पटना जिले में करीब 2 हजार जवानों की तैनाती की गई है। ट्रैफिक संचालन को लेकर ट्रैफिक एसपी के साथ ही सभी डीएसपी, थानाध्यक्ष और पुलिस बल हर पॉइंट पर तैनात रहेंगे। जीरोमाइल से महात्मा गांधी सेतु, जेपी गंगा पथ, जेपी सेतु, न्यू बाइपास, पटना एयरपोर्ट, पटना जंक्शन, राजेंद्रनगर, सचिवालय हॉल्ट, पटना साहिब, दानापुर और पाटलिपुत्र स्टेशन पर पुलिस की तैनाती रहेगी।

चीन से किम जोंग का जूठा गिलास ले गए बॉडीगार्ड्स,पुतिन से मुलाकात के बाद फिंगरप्रिंट भी मिटाए,सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा

बीजिंग। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। डेली मेल के मुताबिक, इस मुलाकात के बाद किम जोंग के गार्ड्स उनका जूठा गिलास अपने साथ ले गए। उन्होंने उस कुर्सी-टेबल को भी सावधानी से साफ कर दिया, जिस पर किम बैठ थे। रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने बताया कि मीटिंग के बाद कुर्सी, टेबल और आस पास की चीजों को इस तरह साफ किया कि उन पर किम का कोई निशान नहीं छूट जाए। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि ये रूस और चीन की जासूसी से बचने की कोशिश हो सकती है या फिर किम अपनी हेल्थ की जानकारी छिपाना चाहते हैं। किसी नेता के फिंगर प्रिंट और मल-मूत्र से उसके डीएनए और हेल्थ से जुड़ी सीक्रेट जानकारी पता की जा सकती है। सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा- फिंगरप्रिंट से किसी भी इंसान के सीक्रेट दस्तावेज तक पहुंच हासिल की जा सकती है। फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल फोन, लैपटॉप, और सीक्रेट ठिकानों में एंट्री के लिए भी होता है। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं। विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों की सिक्योरिटी एजेंसी विदेश दौरे पर अपने नेता के फिंगरप्रिंट साफ कर देती हैं और उनके मल-मूत्र वापस ले जाती है। पत्रकार युनाशेव के मुताबिक, किम और पुतिन की मुलाकात अच्छी रही।

दोनों नेता खुश थे और बाद में साथ में चाय पीने गए। किम ने पुतिन से कहा- अगर मैं रूस के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी। पुतिन ने उत्तर कोरिया को यूक्रेन में सैनिक भेजने के लिए शुक्रिया कहा। कोविड-19 के बाद किम जोंग का यह पहला चीन दौरा था। यहां उन्होंने पुतिन के साथ चीन की विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लिया। ट्रम्प और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में मुलाकात हुई थी। इस दौरान पुतिन के बॉडीगार्ड एक खास सूटकेस लेकर पहुंचे थे। इसे पूप सूटकेस कहा जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सूटकेस पुतिन के मल-मूत्र को इकट्ठा करने के लिए था। तब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके। फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है। 2017 में फ्रांस यात्रा और वियना दौरे के दौरान भी ऐसा किया गया था। हालांकि क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति ऑफिस) ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया है।

पंजाब-हरियाणा में बाढ़, 48 की मौत:हिमाचल के कुल्लू में लैंडस्लाइड; दिल्ली में यमुना का पानी सड़कों पर, फ्लाईओवर धंसा

चंडीगढ़/दिल्ली/शिमला। पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की छुट्टियां 3 सितंबर से बढ़ाकर 7 सितंबर कर दी गई हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की

मौत हुई है। पठानकोट में 3 लापता हैं। हरियाणा के कई इलाके भी बाढ़ में डूबे हैं। राज्य में 11 लोगों की मौत हुई है। हिसार, पंचकूला, अंबाला और रोहतक में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से पानी छोड़ने से फरीदाबाद में यमुना खतरे के निशान तक पहुंच गई है। इधर, दिल्ली में यमुना का पानी शहर के अंदर घुस गया है। गुरुवार सुबह मॉनेस्ट्री मार्केट में सड़क पर एक फीट तक पानी भर गया। मयूर विहार फेज-1 के पास बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों में यमुना का पानी भर गया। अलीपुर में नेशनल हाईवे-44 पर फ्लाईओवर का एक हिस्सा धंस गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में गुरुवार सुबह लैंडस्लाइड में दो घर ढह गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 लोग अंदर फंस गए हैं। कुल्लू में बुधवार को भी लैंडस्लाइड हुई थी। मलबे में दबे एक एनडीआरएफ जवान को 24 घंटे बाद आज रेस्क्यू किया गया। भारी बारिश के बाद चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके बाद गुरुवार को बगलिहार बांध के गेट खोल दिए गए हैं। गुजरात में हो रही बारिश और मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर डैम से छोड़े जा रहे पानी के कारण सरदार सरोवर डैम का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है। इसके चलते गुरुवार को डैम के 15 गेट खोल दिए गए। बुधवार शाम तक डैम का स्तर 135.37 मीटर पर पहुंच गया था। बांध का अधिकतम जलस्तर 138.68 मीटर है। डैम के एक साथ 15 गेट खोलने के कारण नर्मदा नदी के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। वडोदरा जिले के डभोई, शिनोर और करजण तालुका के 25 गांवों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, गुरुवार को नर्मदा और तापी जिलों में भारी बारिश की आशंका है। इन इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही दक्षिण गुजरात के अन्य इलाकों में भी भारी बारिश के चेतावनी जारी की गई है।कश्मीर में लगातार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। खराब मौसम के चलते, गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पूरे कश्मीर में स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और कोचिंग सेंटर सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। लगातार बारिश के कारण घाटी में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है, जिसके कारण बुधवार को भी शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। हालांकि झेलम और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर गुरुवार सुबह से कम होना शुरू हो गया है, लेकिन अनंतनाग, बडगाम, कुलगाम, पुलवामा और शोपियां जिलों के कुछ इलाकों में बाढ़ की स्थिति है।जम्मू-कश्मीर में झेलम नदी के उफान पर आने से बडगाम जिले के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। गुरुवार को झेलम नदी का जलस्तर 21 फीट के खतरे के निशान को पार कर गया है। श्रीनगर में लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने निचले इलाकों में लोगों को घरों से निकलकर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। एक अधिकारी ने बताया कि बडगाम के शालिना में एक दरार की सूचना मिली है। एहतियात के तौर पर, लासजन, सोइतेंग, नौगाम, व्येथपोरा, गोलपोरा, पदशाहीबाग और महजूरनगर के लोगों को इन इलाकों को खाली करके सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी गई है। दक्षिण कश्मीर के संगम और राम मुंशी बाग में झेलम नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कश्मीर में अधिकारियों ने बताया कि डल झील और उसके आसपास रहने वाले निवासियों, खासकर डल झील पर हाउसबोट में रहने वाले लोगों सलाह जारी की है। बढ़ते जलस्तर के कारण राम मुंशी बाग स्थित गेट को किसी भी समय खोला जा सकता है। इस गेट के खुलने से डल झील का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है, जो अभी 10.5 फीट है।छत्तीसगढ़ के सूरजपुर, बलरामपुर जिले में गुरुवार को तेज बारिश का यलो अलर्ट है। बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़ समेत 10 जिलों में बिजली और आंधी की आशंका है। बुधवार को लगातार बारिश से बलरामपुर के लुत्ती में पुराना बांध बह गया। पानी के तेज बहाव में निचले इलाके के चार घरों से 7 लोग बह गए।

छोटे चॉल में रहे, काम मांगने पर संगीतकार ने फेंकी डायरी,समीर के गाने पर नुसरत फतेह रोए, सबसे ज्यादा सॉन्ग लिखने का वर्ल्ड रिकॉड

मुंबई। आप चाहें मिलेनियल हों, जेनरेशन ज़ी हों, जेनरेशन अल्फा या नई जेनरेशन बीटा हों...एक चीज जो इन सभी को एक-दूसरे से जोड़ती है, वो समीर अनजान के गाने हैं। तीन दशक से वो अपने गानों के जरिए प्यार, दोस्ती, हार्टब्रेक से लेकर पार्टी मोड तक हर मौके और हर फीलिंग के लिए अल्फाज लिख रहे हैं। उनके सपने बहुत छोटे-छोटे थे, लेकिन कलम की जादूगरी ने उन्हें ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां से वो पीछे देखते हैं तो खुद पर यकीन नहीं होता। कभी शब्दों का ऐसा जाल बुना कि पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान भी गाते वक्त रो पड़े। एक लाइन के लिए उन्हें 150 टेक लेने पड़े थे। समीर की चाहत कभी रेडियो पर अपना एक गाना सुनने की थी, लेकिन आज उनके नाम चार हजार से अधिक गाने लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। कभी समीर गलियों में अपना गाना बजते सुनना चाहते थे, पिछले तीन दशक से उनके गाने न सिर्फ बज रहे हैं बल्कि अब उनके रीमिक्स भी बन रहे हैं। अपनी सफलता को वह भगवान की नेमत मानते हैं।मैं बनारस से हूं, लेकिन मेरी परवरिश बनारस शहर में नहीं हुई है। मैं बनारस के एक गांव ओदार में पला-बढ़ा हूं। वो गांव तो अब सपनों में ही दिखता है, हकीकत में कुछ वैसा नहीं है। अब गांव जाता हूं तो रोना आता है। गांव की वो चौपाल, कच्चे मकान, महुआ-नीम के पेड़, लोग, संकरी गलियां वो सब नेस्तनाबूद हो गए। गांव का बुरी तरह से शहरीकरण हो गया है। अब मैं सिर्फ इसलिए जाता हूं क्योंकि वो मेरी मातृभूमि है और वहां से मेरी यादें जुड़ी हैं, लेकिन गांव को देखकर बहुत दुख होता है। हम भाग्यशाली थे कि सही मायनों में गांव कहते किसको है, वो हमने जिया था। तालाब, पोखर, बगीचा, आती-पाती क्या होता है, आने वाली पीढ़ी को इन लफ्जों का मतलब भी पता नहीं होगा।खैर, पिताजी की तमन्ना नहीं थी कि मैं कभी गीतकार बनूं। वो कहते थे कुछ भी करना, गीतकार बनने की कोशिश मत करना। इस वजह से उन्होंने मुझे लिटरेचर नहीं पढ़ने दिया और मुझे बीएचयू से एमकॉम कराया। वो मेरे गाने लिखने के बिल्कुल खिलाफ थे। हालांकि मेरे लिखने का शौक अपने चरम पर था। मैं सातवीं क्लास में था, जब मुझे लिखने का शौक जगा। उसी उम्र से मैंने नोट बनाने शुरू कर दिए थे। फिर दोस्तों का एक ग्रुप बन गया, जो शायरी करते थे। फिर हम दोस्तों ने एक छोटा सा रूम लेकर उसमें गोष्ठी शुरू की। यहां से बात ऑर्केस्ट्रा पार्टी तक पहुंची। फिर हमने एक ऑर्केस्ट्रा पार्टी शुरू कर दी, जिसका नाम मनोरंजन ऑर्केस्ट्रा पार्टी था। इसकी एंकरिंग मैं करता था और शेरो-शायरी सुनता-सुनाता था।उन दिनों बनारस में गुप्ता संगीतालय के नाम से एक मशहूर संगीतालय था। वहां, जाकर मैंने बैंजो बजाना सीख लिया। ऐसे में मुझे थोड़ी बहुत संगीत की भी जानकारी हो गई और मैं मुशायरों में जाने लगा। उत्तर प्रदेश का कोई भी ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मैंने मुशायरा न किया हो। ये सब करते-करते मैं रेडियो तक पहुंच गया, लेकिन तब तक मेरे दिमाग में कभी नहीं आया कि मुझे गीतकार बनना है। मैं बस चीजों को एंजॉय कर रहा था। मैं पढ़ाई के साथ ट्यूशन भी पढ़ाता था। मैं पत्रकारिता भी कर रहा था। इन सबके बीच मैंने सेंट्रल बैंक की नौकरी भी जॉइन कर ली और दो दिन के लिए काम पर भी गया। जब मैं दूसरे दिन अपनी कुर्सी पर बैठ रहा था, तब मेरे अंदर से आवाज आई कि ये तुम्हारी जगह नहीं है। तुम गलत फैसला कर रहे हो। दिल की बात सुनो और यहां से निकलो। उस जमाने में बैंक की नौकरी मिलना, इंडियन सिविल सर्विस-पीसीएस से कम बड़ी बात नहीं होती थी। मैंने बैंक की नौकरी छोड़ दी। मेरा पूरा परिवार मेरे ऊपर निर्भर था। मेरे पिताजी मुंबई में स्ट्रगल कर रहे थे। दादाजी की नौकरी छूट गई थी। ऐसे में जब मेरी नौकरी लगी तो सबको लगा कि उन्हें एक सहारा मिल गया है। मैंने जब अपना फैसला घरवालों को सुनाया, तो सब रोने लगे। मुझे कहा गया कि ऐसा मत करो। तुम देख रहे हो कि हम लोग ऐसे ही तकलीफ में हैं। पिता पहले से ही मुंबई में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में तुम भी हमें छोड़कर चले जाओगे तो हमारा क्या होगा? लेकिन मेरी जिद थी और दिल मानने को तैयार नहीं था और मैं निकल गया।मैं 6 अप्रैल 1980 को मुंबई आया था। वो तारीख मुझे आज भी याद है। जब मैं यहां आया तो भौचक्का रह गया कि ये मैं कहां आ गया। मैं मालवाणी के चॉल नंबर 628 और ब्लॉक चार में रहने लगा। 'चॉल में रहने के दौरान के संघर्षों को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। एक बार तो ऐसा हुआ कि मैं शौच के लिए गया था, तभी एक शराबी दरवाजा तोड़ अंदर घुस आया। उसने मुझे गंदी-गंदी गालियां दी। मैं एक संभ्रात परिवार से आता था, मैं ऐसी सिचुएशन सोच भी नहीं सकता था। उस वक्त मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। उस घटना को आज भी याद करके मेरी रूह कांप जाती है।'मैं 23 साल की उम्र में मुंबई आ गया था। उस उम्र तक मैं अपने पिता से सिर्फ दो बार मिला था। वो मुंबई में थे, लेकिन मैं उन्हें बिना बताए आया और अकेले चॉल में रह रहा था। 23 साल की उम्र तक मैं बस दो बार अपने पिता से मिला था। मेरा पालन-पोषण दादाजी ने ही किया था। पिताजी मुंबई में जमने के लिए 17 साल तक

संघर्ष करते रहे। जब पिताजी को पता चला कि मैं भी मुंबई में हूं तो उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। ये तीसरी बार था, जब मैं उनसे मिलने वाला था। मैं पिताजी से मिलने किसी उम्मीद में नहीं गया था कि वो मुझे अपने साथ रख लें। मैं गुस्से में था कि आज वो जो भी पूछेंगे, मैं उसका उल्टा जवाब दूंगा। पहले तो मुझे लगा ही नहीं कि वो मेरे पिता हैं। मुझे लगा कि मैं किसी रिश्तेदार से मिलने वाला हूं। जब मैं उनसे मिला तो उन्होंने कहा कि तुम बड़े हो गए हो और अपने जीवन का फैसला करने का तुम्हें अधिकार है, लेकिन पिता होने के नाते में तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। फिर उन्होंने मुझसे पहला सवाल किया कि क्या तुमने कभी किसी लड़की से मोहब्बत की? उनका सवाल सुनकर मैं हैरान रह गया। मैंने हां में जवाब दिया। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि क्या सोचकर प्यार किया? मैंने उनसे कहा कि प्यार कोई सोचकर नहीं करता है। जब करना होता है तो कर लेता है। उन्होंने कहा- अब पूछो, यह सवाल मैंने तुमसे क्यों किया? मैंने कहा- बताइए। तब उन्होंने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि तुम बावफा आशिक हो या बेवफा आशिक हो। क्योंकि यह इंडस्ट्री महबूबा की तरह है। अगर इससे सच्ची मोहब्बत हो तभी रहना, वरना भाग जाना।उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि तुम यहां क्या सोचकर आए हो। इंडस्ट्री जन्नत की तरह है। यहां सब हूरें मिलेंगी, पैसा मिलेगा, शोहरत मिलेगी। मैंने कहा- हां फिर, उन्होंने कहा- जन्नत में कुछ पाने के लिए आदमी को मरना पड़ता है। क्या तुम मरने के लिए तैयार हो? मुझे लगा पापा ने बात तो बहुत बड़ी कर दी, लेकिन मैं उन्हें दो टूक जवाब देने के मूड से आया था। मैंने इस सवाल पर भी फट से हां कह दिया। फिर पापा ने मुझसे कहा कि चलो अपना बोरिया-बिस्तर उठाओ और घर चलो, लेकिन अगले छह महीने तुम कुछ भी नहीं लिखोगे। अब मैं बताऊंगा कि इस इंडस्ट्री की रवायत और भाषा क्या है।मैं तुम्हें हर म्यूजिक डायरेक्टर के साथ होने वाली मीटिंग में ले जाऊंगा, लेकिन मैं कहीं तुम्हारा परिचय नहीं कराऊंगा। तुम वहां बैठना और चीजों को समझने की कोशिश करना। गाना लिखने के लिए जो सिचुएशन मुझे दी जाएगी, उस पर मैं भी लिखूंगा और तुम भी लिखोगे। मैं हम दोनों का लिखा मुखड़ा आगे सुनाऊंगा, जिस दिन तुम्हारा लिखा पास हो जाएगा, मैं तुम्हें आजाद छोड़ दूंगा। उसके बाद तुम जा सकते हो।एक साल बाद मेरा एक गाना आया। फिल्म का नाम 'बिंदिया चमकेगी' था और उसमें रेखा जी थीं। यहां से मेरे जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई। मैं सुबह निकलता और रात में थका-हारा घर पहुंचता था। पिताजी मेरा संघर्ष देख रहे थे। मुझसे पूछते थे कि कहां-कहां गए, क्या लिखा। मेरा संघर्ष देखकर उन्होंने जीवन में एक बार ही मेरे लिए लक्ष्मीकांत जी बात की। तब उन्होंने पिताजी से कहा कि आज तो आपने कह दिया, दोबारा किसी से ये बात मत कहिएगा। एक बात याद रखिएगा कि बाप की दुकान बाप की होती है। आपने कहा है तो मैं बस इतना कर सकता हूं कि मैं इसे सुनूंगा। ये जब भी मेरे पास आएगा, मैं इसका लिखा पढ़ूंगा। जिस दिन ये मेरे मन मुताबिक अपना मुखड़ा लिखेगा, उस दिन मैं आपको कॉल करूंगा कि आइए, अब आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड कर रहा हूं। मुझे लक्ष्मीकांत जी से एक गाना पास कराने में चार साल लग गए। मैं हर दूसरे दिन उनके पास जाता और अपना लिखा सुनाता। वो मुझे हर बार कहते कि अभी वो बात नहीं है। चार साल बाद एक दिन ऐसा आया कि मैंने उन्हें अपना लिखा सुनाया और वो उन्हें पसंद आ गया। फिर उन्होंने वो गाना बनाया और पिताजी को कॉल कर कहा कि आइए आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड करने वाला हूं। वो गाना गोविंदा की फिल्म 'लव 86' का था। इस तरह लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के यहां मेरी एंट्री हुई।एक म्यूजिक डायरेक्टर थे, जो मेरे पिताजी के एक अच्छे-खासे दोस्त थे। मैं उनके पास जब ऐसे जाता था तो बहुत इज्जत से मिलते थे। चाय पिलाते और हालचाल लेते। उस दिन उन्होंने सामने से बोला कि मैंने सुना है कि तुम कुछ लिखते हो। कभी सुनाया नहीं तो कुछ सुनाओ। मैंने उन्हें एक घंटे तक अपनी कविता सुनाई और वो गौर से सुनते रहे। अचानक वो इतना खफा हुए कि मेरी डायरी तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दी। फिर बहुत गुस्से में आकर बोले कि क्यों अपने पिताजी का नाम खराब कर रहे हो? इतने बड़े पिता का नाम तुम्हारी वजह से खराब हो जाएगा। मैं एक काम करता हूं, मैं तुम्हें टिकट के पैसे देता हूं। तुम अपने पिता को बताना भी मत और इस शहर से चले जाओ। तुम बैंक में नौकरी कर रहे थे, यहां आने की जरूरत क्या थी?मैं उन्हें कुछ बोल भी नहीं सकता था। मैं कांपते पैरों से चुपचाप उठा, अपनी डायरी उठाई और उसे माथे से लगाया। मैंने 222 नंबर की बस पकड़ी और सीधे उषा खन्ना जी के पास चला गया। ऐसे तो वो अक्सर लोगों से घिरी रहती थीं। सौभाग्य से उस दिन वो अकेली थीं। मैंने उनसे कहा कि आंटी मैंने कुछ गाने लिखे हैं, आपको सुनाऊं? उन्होंने हामी भर दी। मैंने सिर्फ पांच मुखड़े सुनाए और उषा जी ने कहा कि अब बस कर। ये पांचों गाने मुझे दे दे। मैं अगले हफ्ते इन्हें रिकॉर्ड करूंगी। जगह कौन सी होगी, वो मैं तुम्हें कॉल करके बताऊंगी। फिल्म 'बेखबर' के लिए मेरा गाना रिकॉर्ड हुआ। इस तरह हिंदी इंडस्ट्री में मेरी शुरुआत हुई। उससे पहले तक मैं रीजनल फिल्मों के लिए लिख रहा था। मैं जिस दिन उषा जी से मिला, उस दिन किस्मत मेरे साथ थी। जब मैं उषा जी के पास से निकला, तभी मुझे मुरली नाम का एक सिंगर मिला। उसने मुझसे कहा कि आप भोजपुरी लिखते हो, चलो आपको चित्रगुप्त जी से मिलवाता हूं। चित्रगुप्त जी भोजपुरी इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। मैं भी उनके पास जाने के लिए तैयार हो गया। मेरे पिताजी ने उनकी फिल्म 'बलम परदेसिया' लिखी थी। उनका पूरा परिवार मुझसे बड़े प्यार से मिला। चित्रगुप्त जी ने मुझसे कहा कि देखो बेटा, मैं तो भोजपुरी फिल्में बनाता हूं तो यहां तो मैं तुम्हें मौका दूंगा, लेकिन मेरे दो बेटे हैं आनंद-मिलिंद। वो भी तुम्हारी तरह युवा हैं और संघर्ष कर रहे हैं। तुम सब साथ बैठो और कुछ अच्छा बनाओ। फिर उन्होंने आनंद-मिलिंद को बुलाया और मुझसे मिलवाया। हम सबने साथ में काम शुरू कर दिया। उसी समय फिल्म प्रोड्यूसर नासिर हुसैन के बेटे मंसूर खान डायरेक्शन में कदम रखना चाहते थे। नासिर ने बेटे से कहा था कि कोई छोटी फिल्म बनाकर खुद को प्रूव करो, तब मैं तुम्हें बड़ी पिक्चर दूंगा। मंसूर ने वीडियो फिल्म 'अम्बर्टो' बनाई, जिसमें आमिर खान थे। उस वीडियो फिल्म में मैं आमिर खान, आनंद-मिलिंद सबने साथ में काम किया। मैंने उस फिल्म के लिए गाना भी लिखा। नासिर साहब और मंसूर सबको मेरा लिखा पसंद आया था। 'कयामत से कयामत तक' हाथ से गई, फिर लगा सारे दरवाजे बंद हो गए मंसूर ने कहा कि चलो अब कहानी पर काम करते हैं। ऐसे में 'कयामत से कयामत तक' की शुरुआत हुई। जब म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर की बात आई, तब नासिर जी ने कहा कि हमारे यहां तो आरडी बर्मन और मजरूह सुल्तानपुरी ही काम करते हैं। मंसूर ने कहा कि उसे आनंद-मिलिंद के साथ ही काम करना है। बेटे की जिद पर नासिर जी का जवाब आया कि फिल्म में हीरो-हीरोइन, म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर सब नए हैं। ऐसे में प्रपोजल कैसे बनेगा। फिर तय हुआ कि म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर दोनों की पसंद का होगा। म्यूजिक के लिए मंसूर ने आनंद-मिलिंद को चुना और राइटर में मजरूह सुल्तानपुरी आ गए। मेरा पत्ता कट गया। फिल्म आई और गजब की हिट रही। मैं बहुत निराश हो गया कि एक दरवाजा खुला था, वो भी बंद हो गया। मैंने आनंद से अपनी दुविधा बताई तो उसने कहा कि वो आगे जो भी फिल्म करेंगे, उसमें मेरे लिए जगह बनाएंगे। कुछ दिन बाद ही 'दिल' के लिए आमिर ने आनंद-मिलिंद को बुलाया। आनंद-मिलिंद वहां मुझे अपने साथ लेकर गए। आनंद-मिलिंद को जब म्यूजिक का ऑफर मिला तो उनसे राइटर का नाम पूछा गया तो उन दोनों ने मेरा नाम लिया। इन्होंने कहा कि एक बार मेरा गाना सुना जाए। फिर मैंने उन्हें 'खंबे जैसी खड़ी है' सुनाया। ये गाना सभी को बहुत पसंद आया। 'दिल' फिल्म में मेरी एंट्री हो गई और वो फिल्म जब रिलीज हुई तो मेरी किस्मत ही बदल गई।तीन साल के अंदर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत लिया 'दिल' के बाद मैंने 'आशिकी' के गाने लिखे। इस फिल्म के गानों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। इस फिल्म के गाने 'नजर के सामने' के लिए साल 1991 में मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। फिर साल 1993 में 'दीवाना' फिल्म के गाने 'तेरी उम्मीद, तेरा इंतजार' और साल 1994 में 'हम है राही प्यार के' के गाने 'घूंघट की आड़' के लिए भी मैंने फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। इंडस्ट्री में मेरे पिताजी ने लंबे समय तक काम किया और वो बहुत डिजर्विंग थे, लेकिन उसके बाद भी उन्हें कभी अवॉर्ड नहीं मिला। जब मुझे मेरे पहला फिल्मफेयर मिला था, तब मेरे पिताजी वहां मौजूद थे। वो पैरालिसिस का चौथा अटैक झेल रहे थे और चल भी नहीं पा रहे थे, लेकिन मेरे सम्मान के लिए वो मंच तक आए। उन्होंने स्टेज से कहा था- 'जो मैं नहीं पा सका, वो मेरे बेटे ने हासिल किया। मैं चाहता हूं कि भविष्य में इसे और भी उपलब्धियां मिलें।' 'आशिकी' के लिए महेश भट्ट ने डायरेक्शन दांव पर लगाया 'आशिकी' पहले चाहत के नाम से सिर्फ एक गानों का एल्बम बन रहा था। गुलशन कुमार उसे फिल्म बनाना चाहते थे, लेकिन हीरो-हीरोइन की वजह से उन्होंने वो आइडिया ड्रॉप कर दिया था। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कहा था कि हीरो-हीरोइन अच्छे नहीं हैं। मेरी फिल्म 'दिल' हिट हो चुकी थी, लेकिन नदीम-श्रवण बहुत ज्यादा संघर्ष कर रहे थे। मुझे पता था कि टी-सीरीज बैनर अपनी फिल्मों का बेस्ट प्रमोशन करता है। मैंने 'आशिकी' के गाने में अपनी जवानी की पूरी सोच लगा दी थी। दिमाग में कहीं न कहीं था कि अगर ये फिल्म चल गई तो पूरी जिंदगी बदल जाएगी। जब गुलशन जी ने कहा कि वो एल्बम बनाने वाले हैं तो हम सब निराश हो गए। मैं महेश भट्ट के पास गया। उन्होंने जब सुना तो कहा ऐसे कैसे एल्बम बना देगा। गुलशन महेश भट्ट से बहुत ज्यादा डरते थे। महेश भट्ट ने घर में घुसते ही कहा कि सुना है कि गुलशन कुमार पागल हो गया है। गुलशन जी को भी समझ आ गया कि कुछ तो गड़बड़ है। फिर महेश जी ने उनसे कहा कि मैंने सुना है कि तुम 'आशिकी' को फिल्म नहीं एल्बम बना रहे हो? उन्होंने महेश जी को बताया कि फिल्म को लेकर बहुत खराब रिस्पॉन्स आया है, इस वजह से वो ऐसा सोच रहे हैं। फिर महेश जी ने कहा, गुलशन तू पागल हो गया है। मैं तुम्हें बता रहा हूं कि ये फिल्म तुम्हारे बैनर और इस सदी की सबसे बड़ी म्यूजिकल हिट होगी। महेश भट्ट ने पेपर मांगकर उस पर लिखा कि अगर ये फिल्म और इसका म्यूजिक नहीं चला तो वो डायरेक्शन छोड़ देंगे। फिर उसी पेपर पर नीचे गुलशन कुमार ने लिखा कि मैं इस फिल्म को ऐसे प्रमोट करूंगा कि आप हिंदुस्तान के वॉशरूम में भी जाएंगे तो वहां भी आशिकी दिखेगी। फिर गुलशन ने कहा कि लेकिन एक समस्या और है। फिल्म के हीरो-हीरोइन दोनों बहुत खराब लग रहे हैं। महेश जी ने आइडिया दिया कि तुम चिंता मत करो, हम उनकी शक्ल पहले दिखाएंगे ही नहीं। उनके चेहरे पर कोट डाल देंगे। तुम म्यूजिक को प्रमोट करो, जब म्यूजिक हिट हो जाएगा, फिर चेहरे को रिवील करेंगे।मेरा बस इतना सपना था कि रेडियो सिलोन पर मेरा एक गाना बज जाए तो मैं लौटकर बनारस चला जाऊं, लेकिन आज चार हजार से अधिक गाने मेरे नाम हैं। इस वजह से ईश्वर पर मेरी आस्था अटूट है। मैंने अपनी पहली इनिंग में आनंद-मिलिंद और नदीम-श्रवण के साथ अच्छा काम किया।ये वो समय था, जब मैं एक साथ 110 फिल्में कर रहा था। इनमें से आनंद-मिलिंद के साथ और नदीम-श्रवण के साथ 50 फिल्में थीं। मैं कामयाबी के पीक पर था, जब गुलशन की हत्या हुई। उसके बाद लगा जैसे मेरे लिए सब कुछ खत्म हो गया। मैं पहली बार अपनी लाइफ में टूटा था।मैं संघर्ष में कभी नहीं टूटा था, लेकिन गुलशन जी के जाने से मैं टूट गया।

टीवी एक्टर आशीष कपूर रेप केस में गिरफ्तार,दिल्ली में हाउस पार्टी के दौरान दुष्कर्म का आरोप, इंस्टाग्राम पर हुई थी पीड़िता से मुलाकात

मुंबई। टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर

आ चुके एक्टर आशीष कपूर को रेप केस में बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। एक महिला का आरोप है कि अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में हुई एक हाउस पार्टी के दौरान आशीष ने वॉशरूम में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने एक्टर को पुणे से गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आशीष की पुणे में हुई गिरफ्तारी की पुष्टि डीसीपी (नॉर्थ) राजा बंथिया ने की है। पुलिस ने आशीष कपूर की मूवमेंट को गोवा से पुणे तक ट्रैक किया, जिसके बाद टीम को दोनों जगह भेजा गया और फिर पुणे से एक्टर की गिरफ्तारी की गई।पुलिस के मुताबिक, आशीष कपूर की महिला से जान-पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। दोनों दोस्त बने और फिर पार्टी की योजना बनाई गई, जिसमें पीड़िता भी शामिल थी। पीड़िता ने 11 अगस्त को दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शुरुआत में आरोप लगाया गया था कि आशीष कपूर, उनके दोस्त और दो अज्ञात पुरुषों ने मिलकर उनका रेप किया है। वहीं, एक महिला (दोस्त की पत्नी) ने उनके साथ मारपीट भी की। हालांकि, बाद में महिला ने अपना बयान बदलकर कहा कि सिर्फ आशीष कपूर ने उनके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना की वीडियोग्राफी की गई थी, लेकिन पुलिस को अभी तक ऐसा कोई वीडियो नहीं मिला है। अधिकारियों ने बताया कि पहले यह मामला गैंगरेप में दर्ज किया गया था, लेकिन अब इसे केवल रेप के आरोप में बदला जाएगा। वहीं, 21 अगस्त को आशीष कपूर के दोस्त और उनकी पत्नी ने अग्रिम जमानत की अर्जी दी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। सुनवाई के दौरान पीड़िता भी मौजूद थी, लेकिन उसने अपनी दलीलों में उस दोस्त का नाम नहीं लिया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान से पता चलता है कि पार्टी के दौरान आशीष कपूर और महिला एक साथ वॉशरूम में गए थे। जब वे काफी देर तक बाहर नहीं निकले, तो कपूर के दोस्त और अन्य मेहमान दरवाजा खटखटाने लगे। जबकि आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने ही पीसीआर कॉल की थी।बता दें, आशीष कपूर जाने-माने टीवी एक्टर हैं। उन्होंने कुर्बान, टेबल नंबर 21 और इनकार जैसी फिल्मों में काम किया है। आशीष टीवी सीरियल देखा एक ख्वाब और यह रिश्ता क्या कहलाता में नजर आ चुके हैं।

तीन दशकों बाद शांति प्रिया का कमबैक:तमिल फिल्म बैड गर्ल में आएंगी नजर, बोलीं- विरासत को आगे बढ़ाना मकसद

मुंबई। एक्ट्रेस शांति प्रिया तीन दशकों के बाद तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में वह एक मां की भूमिका निभा रही हैं, जो आज के माता-पिता और बच्चों के रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाती है। फिल्म की रिलीज से पहले उनसे एक खास बातचीत हुई.'बैड गर्ल' से आपकी वापसी हो रही है। इस

फिल्म में ऐसा क्या खास है जो आपने इसे चुना? इस फिल्म में बहुत कुछ खास है। 35 साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी करना और वो भी बड़े पर्दे पर, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। यह मेरे करियर की वापसी नहीं, बल्कि एक 'रीबर्थ' है। इसमें मेरा किरदार बहुत ही बेहतरीन है। मैं इसमें एक मां का किरदार निभा रही हूं, जो आजकल

के बच्चों और माता-पिता के बीच की गलतफहमियों को दिखाती है। फिल्म का संदेश है कि कोई भी गलत नहीं होता, बस समझने और बात करने का तरीका अलग होता है। फिल्म की निर्देशक वर्षा भारत हैं, जिन्होंने इस विषय को बहुत संवेदनशीलता के साथ दर्शाया है। यह फिल्म न केवल एक मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि एक महिला का दिल और उसकी भावनाएं क्या होती हैं।मैं एक क्लासिकल डांसर हूं और पहले भी कई फिल्मों में काम कर चुकी हूं, इसलिए कैमरे का सामना करने में मुझे कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि, इतने सालों बाद तमिल फिल्म इंडस्ट्री में लौटना मेरे लिए किसी अपने घर लौटने जैसा अनुभव था। मेरी मातृभाषा तेलुगु है, लेकिन मैं चेन्नई में पली-बढ़ी हूं और मेरे करियर की शुरुआत भी तमिल सिनेमा से ही हुई थी। इसलिए जब मैं सेट पर तमिल में बात कर रही थी, तो ऐसा लगा जैसे मैं अपनी मां के घर में हूं। यह अनुभव मेरे लिए बेहद भावुक और सुखद था।मैंने कभी भी एक्टिंग को पूरी तरह से नहीं छोड़ा था। हिंदी सिनेमा में मैंने लगातार काम किया है। मैंने सिर्फ तमिल फिल्म इंडस्ट्री से ही एक लंबा ब्रेक लिया था। मैंने 'आर्यमान', 'माता की चौकी' और 'द्वारकादीश' जैसे शो भी किए हैं। मेरे पति के निधन के बाद मुझे अपने बच्चों की परवरिश करनी थी। एक सिंगल पेरेंट होने के नाते वह मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी। अब जब मेरे बच्चे बड़े हो गए हैं, तो मैं पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान दे सकती हूं। यह मेरा जुनून है और मुझे लगता है कि मैं अब उस दुनिया में वापस आ गई हूं, जहां मैं सबसे ज्यादा सहज महसूस करती हूं।मैं ग्लैमरस नहीं, बल्कि एक कलाकार के तौर पर ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं, जिन्हें दर्शक याद रखें। मैं फिल्म में सिर्फ एक प्रॉप या किसी के पीछे खड़ी होने के लिए नहीं आना चाहती। मुझे ऐसे किरदार चाहिए जो फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाएं। मेरी उम्र के हिसाब से मैं एक मैच्योर लव स्टोरी करना चाहती हूं, एक फुल-ऑन कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं और साथ ही एक बेहतरीन एक्शन फिल्म भी करना चाहती हूं। मैं अपने दर्शकों को यह दिखाना चाहती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं और वे मुझसे क्या उम्मीद कर सकते हैं।बिल्कुल, क्यों नहीं। मेरे छोटे बेटे ने हाल ही में बतौर राइटर, डायरेक्टर और क्रिएटिव हेड के रूप में काम करना शुरू किया है और बड़ा बेटा सिंगर और म्यूजिक कंपोजर है। हम महान फिल्म निर्माता वी. शांताराम की विरासत से आते हैं। उनका नाम आगे बढ़ाना हमारा फर्ज है। हम जरूर मिलकर उनका नाम रोशन करेंगे। अगर हमे मौका मिला तो हम जरूर एक साथ काम करेंगे और अपने परिवार की इस विरासत को आगे ले जाएंगे।मैं किसी एक एक्टर का नाम नहीं लेना चाहूंगी। मैंने अपने करियर की शुरुआत में बहुत जल्द शादी कर ली, इसलिए मुझे बहुत से एक्टर्स के साथ काम करने का मौका नहीं मिला। अब मैं वापस आ गई हूं तो मैं सभी के साथ काम करना चाहती हूं। हर एक्टर अलग होता है, चाहे वो सलमान खान हों, आमिर खान हों, विक्की कौशल हों, आयुष्मान खुराना हों या रणबीर कपूर हों। सभी के साथ काम करना एक अलग अनुभव होगा। मैं एक कलाकार के तौर पर हर किसी के साथ काम करने को उत्सुक हूं, क्योंकि हर कलाकार कुछ नया सिखाता है।मुझे पछतावा तो नहीं लेकिन मुझे लगता है कि शादी के बाद मैंने जो ब्रेक लिया, उस पर मुझे दो बार सोचना चाहिए था। मुझे लगता है कि मैंने बहुत कुछ मिस कर दिया। उस समय अगर मैं रुककर सोचती तो शायद मेरा करियर एक अलग मोड़ पर होता। लेकिन जो हुआ सो हुआ, अब मैं आगे देख रही हूं। अब मेरे पास एक नया मौका है, और मैं उसे पूरी तरह से भुनाना चाहती हूं।अगर मौका मिला तो मैं जरूर उनके साथ काम करना चाहूंगी। मिथुन और अक्षय हमारे दौर के बेहतरीन कलाकार रहे हैं और उनके साथ काम करना हमेशा एक बेहतरीन अनुभव होता है। ऐसा नहीं है कि किसी ने काम करने से मना किया हो। अगर कोई अच्छी कहानी और किरदार हो, तो मैं उनके साथ क्यों नहीं काम करूंगी? चाहे वह मिथुन जी हों, अक्षय जी हों, सुनील शेट्टी जी हों, या हमारे समय के कोई भी कलाकार हों। आज मेरा मकसद अपने काम से एक ऐसी विरासत छोड़ना है, जिसे लोग याद रखें। नाम तो सब कमाते हैं, लेकिन एक लेगेसी छोड़ना बहुत बड़ी बात होती है।

'द बंगाल फाइल्स' में अपनी भूमिका पर अनुपम खेर बोले,गांधी के कैरेक्टर को महसूस करने के लिए एक साल तक शराब और नॉनवेज से दूर रहा

मुंबई। अनुपम खेर 'द बंगाल फाइल्स' में गांधी का किरदार निभा रहे हैं। एक्टर ने बताया कि गांधीजी की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने एक साल तक नॉनवेज नहीं

खाया। सारांश से लेकर कश्मीर फाइल्स तक कई अलग-अलग प्रभावशाली किरदार निभा चुके अनुपम खेर कहते हैं कि कुछ किरदार ऐसे होते हैं, जिसे अलग तरीके से करने पड़ते हैं। उन्हीं में से गांधी का भी किरदार है। इस दौरान अनुपम ने पिता जी मिली एक सीख के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बताया मैं जिंदगी को इतना ज्यादा प्रेशर से नहीं लेता। मैं प्रेशर में काम नहीं करता हूं। मैं हमेशा सोचता हूं कि ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? जब ऐसी सोच आ जाती है तब बहुत हल्का महसूस करते हैं। बहुत पहले पिता जी ने मेरे मन से फेलियर का डर निकाल दिया था। पिताजी ने बहुत अच्छी बात कही थी- 'ईंग्त्ली ैंह ानहू, हार्नी जीदह' व्यक्ति नहीं बल्कि इवेंट फेल होता है। अब अगर ये माइक काम करना बंद कर दे तो हम फेल नहीं हुए। बल्कि इवेंट फेल हुआ। इवेंट में आगे खड़े होकर जोर-जोर से बोल देंगे। अनुपम खेर ने बचपन का एक किस्सा शेयर किया। कहा- मैं पढ़ाई में बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। मेरे कभी भी 38 परसेंट से ज्यादा मार्क्स नहीं आए। पिता जी से हमेशा रिपोर्ट कार्ड पर साइन करवाने होते थे। मैं तब साइन करवाता था जब पिता जी जल्दी में होते थे। ताकि वो रिपोर्ट कार्ड ना देखें और साइन कर दें, लेकिन एक दिन मेरी किस्मत खराब थी।उनकी स्टोर की चाबी अंदर रह गई थी उसे लेने गए। मेरा रिपोर्ट कार्ड देखकर बोले कि तू अपने क्लास में 59ए आया है। पूछे कि कितने स्टूडेंट हैं? मैंने 60 बताया। मुझे लगा कि डांट पड़ेगी या कुछ बोलेंगे, लेकिन उन्होंने थोड़ा रुककर कहा- बेटा एक बात तो है जो पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में हमेशा फर्स्ट आते हैं। उनको हमेशा फर्स्ट आने का टेंशन लगा रहता है। अगर वह सेकेंड आया तो सोचता है कि डिमोशन हो गया। लेकिन जो 59न. आता है वह 48न. , 36न. और 32न. भी आ सकता है। अगली बार 48न. आ जाना। फिर उन्होंने बताया कि व्यक्ति नहीं, बल्कि इवेंट फेल होता है। जब पिता जी जिंदगी की ऐसी सीख देते है तब दुनिया की कोई भी ताकत आपको नहीं हटा सकती है। हम लोग फेलियर से डरते हैं। हम खुद अपने छोटे होने का एहसास दिलाते हैं। रही बात 'द बंगाल फाइल्स' में गांधी के किरदार की तो इस रोल में थोड़ी कठिनाई आई थी। कुछ रोल ऐसे होते हैं जिसे अलग तरीके से करने पड़ते हैं। इस फिल्म की तैयारी से लेकर शूटिंग तक एक साल शराब और नॉनवेज से दूर रहा।

मिस्ट्री मैन का हाथ थामे दिखीं सामंथा,डायरेक्टर की एक्स-वाइफ का पोस्ट भी चर्चा में

मुंबई। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। हाल ही में उन्होंने दुबई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वह किसी शख्स का हाथ थामे नजर आईं। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह मिस्ट्री मैन कोई और नहीं, बल्कि राज निदिमोरु हैं। इसी बीच डायरेक्टर की एक्स-वाइफ श्यामली का एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है। श्यामली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'ये सब फिर से देजा वू जैसा लग रहा है।'इससे पहले भी श्यामली ने एक नोट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'नासमझी भरे बर्ताव का भी समझदारी से जवाब दें।' एक और स्टोरी में लिखा था, सेपेरशन का मतलब यह नहीं है कि आपके पास कुछ भी न हो,

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा

द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।

संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398

www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।